

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 24, 1970/माघ 4, 1891
No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 24, 1970/MAGHA 4, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रन्थ संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 31 दिसम्बर, 1969 तक प्रकाशित किये गये :—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 31st December, 1969 :—

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
406	S. O. 5051, dated 24th December, 1969.	Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Co-operation	Fixing the maximum prices at which vegetable oil products may be sold in the various zones.
407	S. O. 5052, dated 26th December, 1969.	Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs.	Authorising the body of persons to take over the management of the M/s Ram Luxman Sugar Mills, Mohiuddinpur, District Meerut (Uttar Pradesh).
408	S. O. 5053, dated 27th December, 1969.	Central Board of Direct Taxes.	Corrigendum to S. O. 4427, dated 29th October 1969.
409	S. O. 5054, dated 29th December, 1969.	Ministry of Foreign Trade.	Quality Control and Pre-shipment inspection of dried shark fins and dried fish maws.
	S. O. 5055, dated 29th December, 1969.	Do.	The Export of Dried Shark Fins and Dried Fish Maws (Inspection Rules 1969.

Issue No	No. and Date	Issued by	Subject
410	S. O. 5056, dated 29th December, 1969.	Central Board of Direct Taxes.	The Income-tax (Sixth Amendment) Rules, 1969.
411	S. O. 5057, dated 30th December, 1969.	Ministry of Foreign Trade.	Amendment to Notification No. S.O. 771 dated 6th March, 1965.
	S. O. 5058, dated 30th December, 1969.	Do	The Export of Fish and Fish Products (Inspection) Amendment Rules, 1969.
412	S. O. 5059, dated 30th December, 1969.	Do.	The Exports (Control) Twenty-second Amendment Order, 1969.
413	S. O. 5060, dated 31st December, 1969.	Ministry of Food, Agriculture Community Development and Co-operation.	Direction that S. O. 3610 dated 1st September, 1969 shall remain in force upto the 30th June, 1970.
414	S. O. 5061, dated 31st December, 1969.	Ministry of Foreign Trade.	The Exports (Control) Twenty-third Amendment Order, 1969.

ऊपर लिखे प्रसाधारा राजपत्रों की प्रतियाँ प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांगपत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांगपत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से 10 दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिए।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (सब क्षेत्र प्रशासन को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकरणों द्वारा जारी किये गए विधिक आदेश और अधिसूचनाएं।

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).

ELECTION COMMISSION OF INDIA.

New Delhi, the 15th December 1969

S.O. 236.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 22 of the Representation of the People Act, 1951, (43 of 1951), the Election Commission hereby directs that the following further amendments shall be made in its notification No. 434/GJ/68, dated the 27th February, 1968, namely:—

In column 3 of the Table appended to the said notification against item No. 20-Dabhoi, the entry "3. Prant Officer, Dabhoi Sub-Division, Dabhoi", shall be added.

[No. 434/GJ/69.]

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1969

एस० ए० 236:—नाक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 22 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत निर्वाचन आयोग एतद्वारा निवेश देता है कि उसकी अधिसूचना संख्या 434/गुज०/68, तारीख 27 फरवरी, 1968 में निम्नलिखित संशोधन और किए जाएंगे, अर्थात् ;

उक्त अधिसूचना में संलग्न सारणी के स्तम्भ 3 में मद संख्या 20-बर्धोई के सम्मुख "3-प्रान्त आफिमर, दमोई उम-खंड, दमोई," प्रविष्टि जोड़ी जाएगी।

[सं० 434/गुज०/69]

ORDER

New Delhi, the 24th December 1969

S.O. 237.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Krishna Kanta Das a contesting candidate for the mid-term election held in February, 1969, to the West Bengal Legislative Assembly from 75-Ranaghat East constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Krishna Kanta Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/75/69(2).]

By order,

K S. RAJAGOPALAN, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर 1969

एस०ओ० 237:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1969 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए मध्यावधि निर्वाचन के लिए 75-रानाघाट पूर्व निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कृष्ण कान्त दास, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार को उमें सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी उसने अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री कृष्ण कान्त दास को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान

परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० पं० ब०-वि० सं०/75/69 (2)]

आदेश से,

के० एस० राजगोपालन, सचिव ।

ORDERS

New Delhi, the 8th December 1969

S.O. 238.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Yogendra Pratap Singh, R/O village Darbeshpura, Barh, District Patna (Bihar), a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from Barh Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Yogendra Pratap Singh, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/192/69(67).]

आदेश

नई दिल्ली 8 दिसम्बर, 1969

एस० ओ० 238:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि बिहार विधान सभा के लिये निर्वाचन के लिये 192-बाढ़ निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह निवासी ग्राम दरवेशपरा, बाढ़, जिला पटना (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे ह ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ; तथा निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण अथवा न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० बिहार-वि० सं०/192/69(67)]

New Delhi, 12th December 1969

S.O. 239.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bahori Lal S/o Shri Lokman Das, R/o village and Post Office Gwarauli Bhoigarh District Bulandshahr, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 382-Khuria Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bahori Lal, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/382/69 (6)]

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1969

एस० एम० 239:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये 382-खुर्जा सभानिर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बहोरी लाल सुपुत्र श्री लोकमान दास ग्राम व पोस्ट ग्वारौली भोजगढ़ी, जिला बुलन्ध शहर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गये नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा किये गये अभ्यासदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बहोरी लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० सं०/382/69(6)]

New Delhi, the 16th December 1969

S.O. 240.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kalyan Munda, r/o village Gutuhatu, P.O. Barda, District Ranchi (Bihar), a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 297-Torpa Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kalyan Munda, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/297/69(68).1]

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1969

एस० एम० 240:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि बिहार विधान सभा के लिये निर्वाचन के लिये 297-तोरपा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कल्याण मुण्डा निवासी ग्राम-गुटुहातु पो० बोरदा, जिला रांची (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गये नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण अथवा न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10—क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री कल्याण मुण्डा को संसद् के दोनों सदन में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० बिहार-वि० सं०/297/69(68)]

New Delhi, the 20th December 1969

S.O. 241.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Raj Kishore Singh, r/o village Jugilong, P.O. Ahardih, District Singhbhum (Bihar), a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from Ichagarh Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raj Kishore Singh, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/294/69(72).]

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1969

एस० ओ० 241:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि बिहार विधान सभा के लिये निर्वाचन के लिये इचागढ़ निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राज किशोर सिंह निवासी ग्राम जुगीलॉग, पो० अहरडीह जिला सिंहभूम (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ; तथा निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण अथवा न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10—क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री राज किशोर सिंह को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० बिहार वि० सं०/294/69(72)]

New Delhi, the 23rd December 1969

S.O. 242.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rajabul, r/o village Beni, P. O. Balua Deohri via Araria, District Purnea (Bihar), a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from Palasi Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rajabul to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/126/69(73).]

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1969

एस० ओ० 242:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि बिहार विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 126-पलासी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राजाबुल निवासी ग्राम बेनी पो० बलुआ ह्यौड़ी बाया करडिया जिला पूर्णिया (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्द्वारा बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त जम्मींदार ने उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है तथा निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण अथवा न्यायोचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री राजाबुल को संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० स०/126/69(73)]

New Delhi, 16th December 1969

S.O. 243.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Suraj N. Yadav, r/o village Deari, P. O. Bhatsara, District Purnea (Bihar), a contesting candidate for the mid-term election to the Bihar Legislative Assembly held in 1969 from Rupauli Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Suraj N. Yadav, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/118/69(74).]

By Orders,

A. N. SEN, Secy.

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर 1969

एस० ओ० 243:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि बिहार विधान सभा के लिए 1969 में हुये मध्यावधि निर्वाचन के लिये 118-रूपौली सभा निर्वाचन क्षेत्र से

निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सूर्य ना० यादव गांव देवरी, पो० भटसरा, जिला पूर्णिया (बिहार) लोक प्रति निधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा यथा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हू;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सूर्य ना० यादव को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहि्त घोषित करती है ।

[सं० बिहार-वि० सं०/118/69(74)]

आदेश से,

ए० एन० सैन०, सचिव ।

VICE-PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 12th January 1970

S.O. 244.—In pursuance of Clause (j) of Section 13 of the Panjab University Act, 1947, the Chancellor of Panjab University, Chandigarh is pleased to nominate the following persons as Ordinary Fellows:—

1. Shri Amar Singh, Principal, Ramgarhia College, Phagwara.
2. Dr. R. P. Bambah, Professor-Director, Advanced Centre of Mathematics, Panjab University, Chandigarh.
3. Shri Tllak Raj Chadha, Principal, Mukand Lal National College, Yamunanagar.
4. Dr. Jagdish Chander, Professor-Director, Panjab University Post Graduate Regional Centre, Simla.

[No. 999-VC/DS.]

V. PHADKE,

Secy. to the Vice-President.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 15th January 1970

S.O. 245.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 1958, namely:—

1. (1) These rules may be called the Authentication (Orders and other Instruments) Amendment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In rule 2 of the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 1958, entries (38) to (40) shall respectively be renumbered as entries (39) to (41) and before the entries as so re-numbered, the following entry shall be inserted, namely:—

“(38) in the case of orders and other instruments relating to the Election Commission, by the Secretary in that Commission; or”.

[No. 3/11/69-Pub.I.]

K. R. PRABHU, Jt. Secy.

(Office of the Competent Authority)

NOTICES

New Delhi, the 16th January 1970

S.O. 246.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Gulzar Singh, Advocate; 175 Vijay Nagar, Jullundur City for appointment as a notary to practise in the States of Punjab and Madhya Pradesh with headquarters at Jullundur.

2. Any objection to the appointment of the said person as a notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 22/31/69-Judl. III.]

(सक्षम प्राधिकारी का कार्यालय)

नोटिस

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1970

एस० नो० 246—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटैरीज रूल्स) 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री गुलजार सिंह, अधिवक्ता, विजय नगर, जलन्धर शहर ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, पंजाब और मध्य प्रदेश राज्य क्षेत्रों में, जलन्धर को मुख्य कार्यालय बनाकर लेख्य प्रमाणक (नोटैरी) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हों तो इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दी जावें।

[सं० 22/31/69-न्यायिक-3]

S.O. 247.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Shiv Dutt, Advocate, 468-L Model Town, Jullundur City for appointment as a notary to practise in the State of Punjab with headquarters at Jullundur.

2. Any objection to the appointment of the said person as a notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 22/33/69-Judl. III.]

K. THYAGARAJAN
Competent Authority.

एस० नो० 247—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटैरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री शिव दत्त अधिवक्ता, 468-एल, माडल टाउन, जलन्धर शहर ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन पंजाब राज्य क्षेत्र में, जलन्धर को मुख्य कार्यालय बनाकर लेख्य प्रमाणक (नोटैरी) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हों तो इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दी जावें।

[सं० 22/33/69-न्यायिक-3]

के० त्यागराजन, सक्षम प्राधिकारी।

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS*New Delhi, the 24th December 1969*

S.O. 248.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948, the Central Government hereby authorises Sari S. S. Sareen, Assistant in the Embassy of India, Kuwait to perform the duties of a Consular Agent, with immediate effect, until further orders.

[No. F. T. 4330/7/69.]

S.O. 248.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948, the Central Government hereby authorises Shri V. G. Mani, Personal Assistant, in the Consulate General of India, Kobe (Japan) to perform the duties of a Consular Agent, with immediate effect, until further orders.

[No. F. T. 4330/7/69.]

P. C. BHATTACHARJEE, Under Secy.

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Banking)***New Delhi, the 9th January 1970*

S.O. 249.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45 of the Banking Regulation Act, 1949, the Central Government, after considering an application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of that section, hereby makes an order of moratorium in respect of the National Bank of Lahore Ltd., Delhi for the period from the close of business on the 10th January, 1970 up to and inclusive of the 9th April, 1970 and hereby stays the commencement or continuance of all actions and proceedings against that banking company during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Central Government of its powers under clause (b) of sub-section (4) of section 35 of the said Act or the exercise by the Reserve Bank of India of its powers under section 38 of the said Act.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of Moratorium granted to it, the National Bank of Lahore Ltd., Delhi shall not, without the permission in writing of the Reserve Bank of India,—

- (a) grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or agree to or disburse any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise, or enter into any compromise or arrangement, except to the extent and in the manner provided hereunder :—
 - (i) a sum not exceeding 10% of the total balance in every savings bank or current account or in any other deposit by whatever name called, provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one persons (and not jointly with that of any other person) does not exceed Rs. 250/- and provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the bank in any way;
 - (ii) the amounts of any drafts or pay orders issued by the said bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;
 - (iii) the amounts of the bills received for collection on or before the 10th January, 1970 and realised before, on or after that date;
 - (iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against or decrees obtained by the said bank or for realising any amounts due to it, provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree or proceeding is in excess of Rs. 250/- the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred; and
 - (v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the banking company necessary for carrying on the day-to-day administration of the banking company, provided that where the

total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or if no expenditure has been incurred on account of that item in the past exceeds a sum of Rs. 250/-, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the additional expenditure is incurred;

- (b) sell, transfer or otherwise dispose of any of its immovable properties except in pursuance of any agreement entered into by it prior to the close of business on the 10th January, 1970.

3. The Central Government hereby also directs that the National Bank of Lahore Ltd., Delhi may, during the period of the moratorium granted to it, make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advance granted against Government securities or other securities to the National Bank of Lahore Ltd., Delhi by the Reserve Bank of India or the State Bank of India or any of its subsidiaries or by any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force.

4. The Central Government hereby further directs that during the period of moratorium, the National Bank of Lahore Ltd., Delhi shall be permitted to operate its accounts with the Reserve Bank of India or with any other bank for the purposes of making the payments aforesaid, provided that nothing in this order shall be deemed to require the Reserve Bank of India or any other bank aforesaid to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the National Bank of Lahore Ltd., Delhi.

5. The Central Government hereby further directs that the National Bank of Lahore Ltd. Delhi may, during the period of moratorium, return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons, if the bank has no right or title to, or interest in, such bills.

6. The Central Government hereby also directs that the National Bank of Lahore Ltd., Delhi may release or deliver goods or securities which may be pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft—

- (i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the bank, unconditionally; and
- (ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions or the proportions which were maintained before the order of moratorium came into force, whichever may be higher.

[No. F. 17(2)-BC/70.]

S. M. KELKAR, Dy. Secy.

(Department of Banking)

New Delhi, the 13th January 1970

S.O. 250.—Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, as on the 2nd January, 1970.

BANKING DEPARTMENT

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes	32,86,72,000
		Rupee Coin	4,37,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Small Coin	6,12,000
		Bills Purchased and Discounted:—	
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund .	155,00,00,000	(a) Internal	
		(b) External	
		(c) Government Treasury Bills	77,04,06,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	35,00,00,000	Balances Held Abroad*	175,88,08,000
		Investments**	92,96,01,000
		Loans and Advances to :—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund .	75,00,00,000	(i) Central Government	
		(ii) State Governments@	137,84,92,000

An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 2nd day of January, 1970

ISSUE DEPARTMENT

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	32,86,72,000		Gold Coin and Bullion:—		
Notes in circulation	3632,36,14,000		(a) Held in India	182,53,11,000	
Total Notes issued		3665,22,86,000	(b) Held outside India	
			Foreign Securities	251,42,00,000	
			TOTAL		433,95,11,000
			Rupee Coin		69,01,90,000
			Government of India Rupee Securities		3162,25,85,000
			Internal Bills of Exchange and other		
			Commercial paper		
Total Liabilities		3665,22,86,000	Total Assets		3665,22,86,000

Dated the 7th day of January, 1970.

L. K. JHA,
Governor.

[No. F. 3(3)-BC/70.]
K. YESURATNAM, Under Secy.

(Department of Revenue and Insurance)

INCOME-TAX

New Delhi, the 12th January 1970

S.O. 251.—In pursuance of clause (i) of sub-section (2) of section 80D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Occupational Therapy Home for Children, Karol Bagh, New Delhi," as an institution for the care of handicapped persons.

[No. 167/1/70-IT(AI).]

S. N. NAUTIAL, Dy Secy.

(Department of Revenue & Insurance)

STAMPS

New Delhi, the 24th January 1970

S.O. 252.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds to the face value of one hundred and ten lakhs of rupees, to be issued by the Kerala Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 1/70-Stamp/F. No. 1/45/69-Cus.VII.]

P. K. KAPOOR, Under Secy.

(राजस्व और बीमा विभाग)

स्टाम्प

नई दिल्ली 24 जनवरी, 1970

एस० ओ० 252:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उस शुल्क की जिससे केरल फाइनेन्शियल कारपोरेशन द्वारा पुरोधृत किए जाने वाले एक सौ दस लाख रुपये के अंकित मूल्य के बन्ध 99, उक्त अधिनियम के अधीन प्रभाव्य हैं, एतद्वारा छूट देती है।

[सं० 1/70-स्टाम्प/फा० सं० 1/45/69-सीमा शुल्क vii]

पी० के० कपूर, अवर सचिव।

(Department of Revenue and Insurance)

ORDER

(F.E.R.A.)

New Delhi, the 24th January 1970

S.O. 253.—In exercise of the powers conferred by section 2B of the Foreign Exchange Regulation Act, 1947 (7 of 1947), the Central Government hereby authorises every officer of Enforcement not below the rank of Assistant Director of Enforcement to exercise the powers and discharge the duties of the Director of Enforcement under sub-section (1) of section 191 of the said Act.

[Order No. 1/70-FERA/F.No.1/12/69-Tech. Coord.]

R. C. MISRA, Dy. Secy.

(राजस्व तथा बीमा विभाग)

आदेश

(एफ० ई० आर० ए०)

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1970

एस० ओ० 253.—विदेशी मुद्रा विनियम अधिनियम, 1947 (1947 का 7) की धारा 2 ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार प्रत्येक प्रवर्तन अधिकारी को जो सहायक प्रवर्तन निदेशक के रैंक से नीचे का न हो, उक्त अधिनियम की धारा 19 झ की उपधारा (1) के अधीन प्रवर्तन निदेशक की शक्तियों का प्रयोग और कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए एतद्द्वारा प्राधिकृत करती है।

[आदेश सं० 1/70-एफ०ई० आर० ए० / एस० 1/12/69-टेक्निकल (कोआर्डिनेशन)]

रमेश चन्द्र मिश्र, उप सचिव।

(Department of Revenue and Insurance)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 13th January 1970

S.O. 254.—Corrigendum to the Gazette Notification dated the 1st December, 1969 issued under sub-section (1) of section 110G of the Insurance Act, 1938 published in the Gazette of India Part II, Section 3 sub-section (ii) dated the 13th December, 1969 under No. S.O. 4872:—

"Page 5305 read 'Shri J. N. Heredia' for 'Shri J. N. Heradia':"

[No. F.51(45)-INS.I/69.]

R. K. MAHAJAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

(Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports)
(Central Licensing Area)

ORDERS

New Delhi, the 6th November 1969

S.O. 255.—Licence No. P/SS/1612425 dated 2-12-68 for Rs. 10,000/- for Endrine, Dildrin, Aldrine, Cholorodane and Heptachlor, was issued to M/s. Roshan Electric Co. V. & P.O. Bhakhtawarpur, Delhi-38 subject to the condition that all items of goods imported under it would be used only in the licence holder's factory at the address shown in the application against which the licence was issued and no portion thereof would be sold to any other party or utilised or permitted to be used in any other manner.

2. Thereafter, a show cause notice No. R-8/69/ENF/CLA/3558 dated 23-7-69 was issued asking them to show cause within 15 days as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that the Central Government is satisfied that the licence will not serve the purpose for which it was granted, in terms of Clause 9 sub-clause (cc) of Imports (Control) Order, 1955, as amended.

3. The said firm has not sent any reply to aforesaid show cause notice.

4. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9 sub-clause (cc) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended, hereby cancel the Licence No. P/SS/1612425 dated 2-12-68 for

Rs. 10,000/- for Endrine, Dildrin, Aldrine, Cholorodane and Heptachlor issued in favour of M/s. Roshan Electric Co. V. & P.O. Bhakhtawarpur, Delhi-38.

[No. R-8/69/ENF/CLA/7525.]

New Delhi, the 19th December 1969

S.O. 256.—Licence No. P/S/1612359/C dated 19-11-68 for Rs. 2880/- for import of Akarkara & Jalphal was issued to M/s. Rajasthan Ayurvedic Ausadhalaya, Behror (Distt. Alwar) subject to one of the conditions that all items of goods imported under it would be used only in their factory and that no portion thereof shall be sold to any other party or utilized or permitted to be used in any other manner.

2. Thereafter, a show cause notice No. R-37/69/ENF/CLA/8707 dated 28-10-69 was issued asking them to show cause within 15 days as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that the Central Government is satisfied that the licence will not serve the purpose for which it was granted, as they are not in existence now, in terms of Clause 9 sub-clause (cc) of Imports (Control) Order 1955, as amended.

3. The aforesaid show cause notice, issued to M/s. Rajasthan Ahurvedic Ausadhalaya, Behror (Distt. Alwar), has however been received back undelivered with remarks of the Postal Authorities "Not known etc".

4. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9 sub-clause (cc) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended hereby cancel the licence No. P/S/1612359/C dated 19-11-68 for Rs. 2880/- issued in favour of M/s. Rajasthan Ayurvedic Ausadhalaya, Behror (Distt. Alwar).

[No. R-37/69/ENF/CLA/8627.]

New Delhi, the 30th December 1969

S.O. 257.—Licence No. P/SS/8536975/C dated 5-2-68 for Rs. 7500/- for the import of Tin Plate Secondary was issued to M/s. United Metal Works, Tara Bhavan, Kali Mahal, Varanasi by the Asstt. Iron & Steel Controller, Faridabad.

2. Thereafter M/s. United Metal Works, Tara Bhavan, Kali Mahal, Varanasi, obtained Duplicate Licence No. P/S/8538125/C dated 21-4-69 for Rs. 7500/- in lieu of the licence No. P/SS/8536975/C dated 5-2-68 from the Iron & Steel Controller, Faridabad on furnishing an affidavit dated 30-10-68 duly certified by a Notary Public, to him, declaring that both copies of the Licence No. P/SS/8536975/C dated 5-2-68 for Rs. 7500/- had been lost and that the original if found later on would be returned to the Asstt. Iron & Steel Controller, Faridabad.

3. A show cause notice No. U-3/I&SC/69-70/ENF/CLA/7430 dated 4-11-69 was issued asking them to show cause within 15 days as to why the said duplicate licence in their favour should not be cancelled on the ground that they had obtained the same by misrepresentation of facts in terms of Clause 9, sub-clause (a) of Imports (Control) Order 1955, as amended.

4. In response to the aforesaid show cause notice M/s. United Metal Works, Tara Bhavan, Kali Mahal, Varanasi, have not sent any reply.

5. The undersigned has carefully examined the case and has come to the conclusion that they got the said duplicate licence by misrepresentation of facts.

6. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended hereby cancel the Duplicate Licence No. P/S/8538125/C dated 21-4-69 issued in favour of M/s. United Metal Works, Tara Bhavan, Kali Mahal, Varanasi.

[No. U-3/I&SC/69-70/ENF/CLA/9652.]

New Delhi, the 8th January 1970

S.O. 258.—Licence No. P/SS/1606616/C dated 16th May, 1967 for Rs. 167185/- for the import of Copper and Tin was issued to M/s. Roxy Cable Company, 308/9, Shahzada Bagh, Old Rohtak Road, Delhi-7 subject to one of the conditions that all items of goods imported under it would be used only in their factory at the address shown in the application against which the licence was issued and that no portion thereof would be sold to any other party or utilised or permitted to be used in any other manner.

2. Thereafter, a show cause notice No. R-16/67/ENF/CLA/4585 dated 17th August, 1968 was issued asking them to show cause within 15 days as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that the Central Government is satisfied that this licence will not serve the purpose for which it had been granted, in terms of Clause 9, sub-clause (cc) of Imports (Control) Order 1955, as amended.

3. In response to the aforesaid show cause notice M/s. Roxy Cable Company 308/9, Shahzada Bagh, Old Rohtak Road, Delhi-7, had by their letter dated 9th September, 1968 furnished an explanation that they had to shift to Delhi after closing their unit in Haryana as there was labour trouble, and asked for a date for personal hearing with the undersigned to explain the case in detail. They were requested in letter No. R-16/67/ENF/CLA/3154 dated 9th October, 1968 to come for personal hearing within a week but they did not come up. They were again asked in letter No. 16/67/ENF/CLA/3739 dated 19th November, 1969 to come for personal hearing within 10 days but they did not come up. They were asked in letter No. R-16/67/ENF/CLA/10561 dated 13th January, 1969 to intimate whether they had arranged proper premises for their factory in Delhi and whether their unit had been registered as an S.S.I. unit with the Director of Industries, Delhi and they should produce certified copy of the S.S.I. registration number allotted to them. They have not produced the S.S.I. registration number upto now.

4. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective as it will not serve the purpose for which it was issued. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9 sub-Clause (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 as amended hereby cancel the licence No. P/SS/1606616 dated 16th May, 1967 issued in favour of M/s. Roxy Cable Company, 308/9, Shahzada Bagh, Old Rohtak Road, Delhi-7.

[No. R-16/67/ENF/CLA/10017.]

RAM MURTI SHARMA,

Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 22nd December 1969

S.O. 259.—M/s. Ruby Rubber Works Limited, Rubynagar Post Office Changanacherry were granted an import licence No. P/CG/2049599/T/TR/26/C/H/26/CGV dated 26th March, 1968 for Rs. 3,18,750/- (Rupees three lakhs, eighteen thousand, seven hundred and fifty only). They have applied for the issue of a duplicate Customs Purposes and Exchange Control Purposes copy of the said licence on the ground that the original Customs Purposes and Exchange Control copy has been lost. It is further stated that the original Customs Purpose and Exchange Control Copy was not registered with any Customs authorities and has not been utilised at all.

2. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes and Exchange Control Purposes copy of the said licence has been lost. Therefore, in exercise of the powers conferred under Sub-clause 9(cc) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7th December, 1955 as amended, the said original Customs Purposes and Exchange Control Purposes copy of Licence No. P/CG/2049599/T/TR/26/C/H/26/CGV dated 26th March, 1968, issued to M/s. Ruby Rubber Works Limited, Rubynagar Post Office Changanacherry is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes and Exchange Control Purposes copy of the said licence is being issued separately to the licensee.

[No. 32(58)/66-67/CG.I.]

H. D. GUPTA,

Deputy Chief Controller of Imports and Exports.

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

Calcutta, the 7th January 1970

SUB.—*Order cancelling the Customs Purposes Copy of Licence No. P/EI[0144179/C in connection with the issue of duplicate copy of the same.*

S.O. 260.—M/s. Binnaguria Transport Association, Dhumka, Dt. Santhal Parganas, Bihar were granted import licence No. P/EI/0144179/C dated 12-3-68 for Rs. 5326/- (Rupees five thousand three hundred & twenty six only). They have now applied for issue of a duplicate copy of Customs Purposes Copy of the said licence on the ground that the original of the same has been lost. It is further stated that the original licence was neither Registered with any Custom House, and not utilised.

In support of this contention, the applicant has filed an affidavit to the effect that the original copy of the licence has been lost. I am satisfied that original Customs Purposes Copy of the licence No. P/EI/0144179/C dated 12-3-68 has been lost and directed that a duplicate Customs Purposes Copy of the licence in question should be issued to the applicant. The original Custom copy of the licence is cancelled.

[No. F.293-297-IV/42/AM'68/EI-II.]

M. S. PURI,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

(Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports)

CANCELLATION ORDER

Cochin, the 12th January 1970

S.O. 261.—M/s. Super Sea Floods, Palluruthy, Cochin-5, Kerala State were granted licences Nos. P/L/2594831/C/XX/31/E/F.12. dt. 30-6-69 for Rs. 3937/- and P/L/2594887/C/XX/32/E/29/F.12. dt. 17-7-69 by this office. They have now applied for duplicate Customs Purposes Copy of these licences on the grounds that the original Customs Purposes Copy of the licences have been misplaced. It is further stated that the original licences were not registered with any Customs authorities and utilised at all.

In support of their contention the applicant has filed an affidavits separately for each licence. I am satisfied that the original Customs Purposes Copies of the licences Nos. P/L/2594831/C/XX/31/E/F.12. dt. 20-6-69 and P/L/2594887/C/XX/32/E/29/F.12. dated 17-7-69 have been lost and direct that the duplicate licences (Customs Purposes Copies) should be issued to the applicant. The original Customs Purposes Copies of the licences are cancelled.

[No. 1/70/REP.]

(Issued from file No. Fish-50/REP/JS-68)

R. K. KRISHNAN,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 13th January 1970

S.O. 262.—M/s. Tenzing and Tenzing (India) Pvt. Ltd., 55, Canning Street, Calcutta, were granted an import licence No. P/E/0151673/C/XX/27/H/27-30, dated the 9th May, 1968, for Rs. 29,025/- for the import of Sodium Cyanide,

Potassium Cyanide, ETC. (Item No. 3 list No. I of Appendix 28). They have applied for duplicate copy of Customs Purposes Copy of the licence on the ground that the original Customs Purposes Copy of the licence has been lost/misplaced after having been registered with Customs House, Calcutta. It is further stated that the original Customs Purposes Copy of the licence was utilised up to Rs. 26,136/- leaving an unutilised balance of Rs. 2,889/-. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that original Customs Purposes Copy of licence No. P/E/0151673, dated the 9th May, 1968, has been lost or misplaced and direct that a duplicate Customs Purposes Copy should be issued to the applicant. The original Customs Purposes Copy of the licence is cancelled.

[No. Sikkim/2/AM69/ADHOC/1727.]

J. SHANKER,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 14th January 1970

S.O. 263.—M/s. National Rayon Corporation Ltd., Bombay, were granted licence No. P/D/2171903/C/XX dated 13th October 1969 for import of Consumable stores and repairing charges for spinnerettes for Rs. 50,000/- from General Area. They have applied for issue of a duplicate licence on the ground that the original has been misplaced/lost without having been registered with any Customs authority and utilised at all.

In support of this contention M/s. National Rayon Corporation Ltd., Bombay have produced an affidavit. The undersigned is satisfied that the Original licence has been lost/misplaced. Therefore, in exercise of the powers conferred under clause 9(c) of the Import Control Order 1955 dated 7th December 1955 as amended, the original licence is hereby cancelled.

A duplicate licence is being issued separately.

[No. Rayon/7(4)/69-70/R.M.6/1173.]

G. S. SHARMA,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 14th January 1970

S.O. 264.—M/s. Maharashtra Papers Pvt. Ltd., Bombay, were granted licence No. P/AU/1267469/T/EG/25/C/23.24, dated 24th August, 1967 from German Democratic Republic for import of 2 plate wide 16 page two roll rotary valued at Rs. 7,15,000 subsequently enhanced to Rs. 8,31,934. They have requested for the issue of duplicate copy of the licence on the ground that the originals of Customs & Exchange copies of the licence have been lost by them. It has been further reported by the licensee that the licence was lost without being utilised. The licence has not been registered with any of the Collector of Customs.

2. In support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the originals of Customs as well as of Exchange Control copy of the licence No. P/A/1267469/T/EG, dated 24th August, 1967, has been lost and directs that duplicates of Customs & Exchange Control copies of the said licence should be issued to them. The originals of Customs & Exchange Control copies are cancelled.

[No. 1-M/67-V/67-68/NPCIA.]

S. K. USMANI,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

**MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING AND WORKS HOUSING
AND URBAN DEVELOPMENT**

(Department of Health)

New Delhi, the 16th January 1970

S.O. 265.—Whereas the Central Government have, in pursuance of the provisions of clause (e) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956),

(a) re-nominated the following persons to be members of the Medical Council of India with effect from the 6th February, 1970:—

1. Lt. Gen. S. N. Chatterjee, MC, M.B.B.S., MC Director General, Armed Forces Medical Services, New Delhi.
2. Dr. P. K. Duraiswami, Ph.D. (Liverpool), M.B., M.S. (Madras), M.Ch. Orth. (Liverpool), F.R.C.S. (England), F.A.M.S. Director General of Health Services, New Delhi.
3. Dr. P. N. Wahi, MD, FRCP, FAMS, FNI, Director General, Indian Council of Medical Research, Medical Enclave, Ansari Nagar, New Delhi-16; and

(b) nominated the following persons to be members of that Council with effect from the said 6th February, 1970:—

1. Dr. Shantilal C. Sheth, MD, F.R.C.P. (Lond.), Hon. F.A.A.P. (U.S.A.), F.A.Sc., F.C.P.S., F.C.C.P., D.C.H. (Lond.), J.P. 109, Queens Road, Bombay.
2. Prof. V. Ramalingaswami, M.B.B.S., MD, Ph.D., D.Sc., FAMS Director, All-India Institute of Medical Sciences, New Delhi.
3. Dr. Syed Abdul Mannan, M.B.B.S. (Osmania), MRCP (Edin), MRCP (Glas), MRCS (Eng), DTM&H (Edin), Road No. 11, Banjara Hills, Hyderabad-34.
4. Dr. R. M. Kasliwal, MD, F.R.C.P., DTM&H, FAMS, FACCP, FNI, Kasliwal House, Chittaranjan Marg, 'C' Scheme, Jaipur.
5. Dr. Vasant S. Ranadive, M.B.B.S., Ranade Road, Dadar, Bombay-28.

Now, Therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby directs that Lt. Gen. S. N. Chatterjee, Dr. P. K. Duraiswami and Dr. P. N. Wahi shall continue to be the members of the Medical Council of India and makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. F.5-13/69-MI, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (e) of sub-section (1) of section 3", for Serial Nos. 1, 3, 4, 6 and 8 and the entries relating thereto, the following shall respectively be substituted, namely:—

- "1. Dr. Shantilal C. Sheth, MD, F.R.C.P. (Lond.), Hon. F.A.A.P. (U.S.A.), F.A.Sc., F.C.P.S., F.C.C.P., D.C.H. (Lond.), J.P. 109, Queens Road, Bombay".
- "3. Prof. V. Ramalingaswami, M.B.B.S., MD, Ph.D. D.Sc., FAMS, Director, All-India Institute of Medical Sciences, New Delhi."
- "4. Dr. Syed Abdul Mannan, M.B.B.S. (Osmania), MRCP (Edin), MRCP (Glas), MRCS (Eng), DTM&H (Edin), Road No. 11, Banjara Hills, Hyderabad-34".
- "6. Dr. R. M. Kasliwal, MD, FRCP, DTM&H, FAMS, FACCP, FNI, Kasliwal House, Chittaranjan Marg, 'C' Scheme, Jaipur".
- "8. Dr. Vasant S. Ranadive, M.B.B.S., Ranade Road, Bombay-28".

[No. 4-27/69-MPT.

ORDERS

New Delhi, the 16th January 1970

S.O. 286.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 16-17/60-MI, dated the 2nd February, 1961, the Central Government has directed that the Medical qualification, M.D. granted by the

College of Medical Evangelists, Los Angeles, California, U.S.A. shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And, whereas, Dr. Richard Lowell Nelson who possesses the said qualification is for the time being attached to the Surat Hospital Trust, Association of Seventh Day Adventists, Surat for the purposes of charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

- (i) a period for two years from the date of issue of this order in the Official Gazette, or
- (ii) the period during which Dr. Richard Lowell Nelson is attached to the said Surat Hospital Trust Association of Seventh Day Adventists, Surat,

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. F. 19-44/69-MPT.]

S.O. 267.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 32-30/63-MPT, dated the 5th June, 1964, the Central Government has directed that the Medical qualification, M.D. granted by the John Hopkins University, U.S.A. shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And, whereas, Dr. Lorraine Tolman Biswanger who possesses the said qualification is for the time being attached to the Christian Hospital, Jhokan Bagh, Jhansi for the purposes of charitable work in the country;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

- (i) a further period of two years with effect from the 21st September, 1969, or
- (ii) the period during which Dr. Lorraine Biswanger is attached to the said Christian Hospital, Jhokan Bagh, Jhansi,

whichever, is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. F. 19-20/68-MPT.]

R. MURTHI, Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 16th January 1970

S.O. 268.—/15/IDRA/69.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been, or is likely to be substantial fall in the volume of production in respect of cotton textiles manufactured in the industrial undertaking known as the M/s. Jehangir Vakil Mills Ltd., Ahmedabad (Gujarat) for which, having regard to the economic conditions prevailing there is not justification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

- (1) Shri S. A. Kher.

Members

- (2) Shri M. G. Mirchandani, Director (Technical) National Textile Corporation.
- (3) Shri J. P. Singh, Director (Finance), National Textile Corporation.
- (4) Shri M. Sivagnanam, Industrial Commissioner, Government of Gujarat, Ahmedabad.
- (5) Shri T. S. V. P. Sarma Dy. Director (Inspection), Office of the Regional Director Company Law Board, 100, Marine Lines, Bombay.

Member-Secretary

- (6) Shri V. N. Moralwar, Director Office of the Textile Commissioner Bombay.

[No. F. 9(1) Lic. Pol./70:]

R. C. SETHI, Under Secy.

(Department of Industrial Development)

Indian Standards Institution

New Delhi, the 9th January 1970

S.O. 269.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for aluminium paint for general purposes details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 16 December 1969.

THE SCHEDULE


Sl. No.	Product/Class of Products	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	Aluminium paint for general purposes.	IS: 2339-1963 Specification for aluminium paint for general purposes, in dual container.	One litre	0.5 paise

[No. CMD/13-10]

S.O. 270.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 16th December, 1969.

THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1		Aluminium paint for general purposes.	IS: 2339-1963 Specification for aluminium paint for general purposes, in dual container.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number designation of the Indian Standard being super-scribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13:9]

A. K. GUPTA,
Deputy Director General

(Department of Industrial Development)

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 13th January 1970

S.O. 271—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that the licences No. CM/L—98, 99, 139, 140, 256, 257 and 508 particulars of which are given below, have been cancelled with effect from 1 January 1970.

Licence No. & Date.	Name & Address of the licensee	Article/process covered by the licence cancelled.	Relevant IS : No.
1	2	3	4
CM/L—98 18-9-1958	M/s Tata Fison Industries Ltd., Palluruthy, Cochin—5.	BHC Dusting Powders	IS : 561-1962
CM/L—99 18-9-1958	M/s. Tata Fison Industries, Ltd., Palluruthy, Cochin—5.	DDT Dusting Powders	IS : 564—1961
CM/L—139 28-8-1959	M/s Tata Fison Industries Ltd., Palluruthy, Cochin—5	DDT Water Dispersible Powder Concentrates.	IS : 565—1961
CM/L—140 28-8-1959	M/s Tata Fison Industries Ltd., Palluruthy, Cochin—5.	BHC Water Dispersible Powder Concentrates.	IS : 562—1962
CM/L—256 29-12-1960	M/s Tata Fison Industries Ltd., Palluruthy, Cochin—5.	Copper Oxychloride Dusting Powders	IS : 1506—1967

1	2	3	4
CM/L—257 29-12-1960	M/s Tata Fison Industries Ltd., Palluruthy, Cochin—5.	Copper Oxychloride Water Dispersible Po- wder Concentrates.	IS : 1507—1966
CM/L—508 25-2-1963	M/s Tata Fison Industries Ltd., Pal- luruthy, Cochin—5.	Endrin Emulsifiable Concentrates.	IS:1310—1958

[No. CMD/55:98]

New Delhi, the 14th January 1970

S.O. 272—In exercise of the powers conferred on me under sub-regulation (4) of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation s. 1955, as amended from time to time, modifications to the provisions of the Indian Standards, details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have tentatively been made with a view to expediting the use of the Standard Mark, without in any way affecting the quality of goods covered by the relevant standards. These modifications shall come into force with effect from 14 January, 1970.

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of Indian Standard, the Provisions of which have been Modified	Number(s) of the Existing Clauses Affected.	Particular of the Modification Made to the Provisions.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 2191 (Part I)—1966 Specification for wooden flush door shutters (cellular and hollow core type). Part I Plywood face panels (<i>first revision</i>)	Clause 4.1	The following new clause has been added : 4.1.1 Flush door shutters may also be made in sizes, other than specified in clause 4.1, as agreed to between the purchaser and the manufacturer.
2.	IS : 2202 (Part I)—1966 Specification for wooden flush door shutters (solid core type) Part I Plywood face panel (<i>first revision</i>)	Clause 4.1	The following new clause has been added : 4.1.1 Flush door shutters may also be made in sizes, other than specified in clause 4.1, as agreed to between the purchaser and the manufacturer.

[No CMD/13:4]

S.O. 273—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that the licence No. CM/L-56 particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 1 January 1970.

Licence No. and Date	Name & Address of the Licence	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
CM/L—56 28 January 1958	The Great Indian Ply- wood Manufacturing Company, 76 Jessore Road, Dum Dum, Calcutta—28.	Tea-Chest Plywood Panels.	IS:10—1964 Specifi- cation for Plywood Tea-Chests (Second Revision.)

[No. CMD/55:56.]

A.N. GHOSH,
Director General.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT**(Transport Wing)***New Delhi, the 12th January 1970*

S.O. 274.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Jayanti Shipping Company (Taking over of Management) Act, 1966 (24 of 1966), read with rule 3 of the Jayanti Shipping Company (Board of Control) Rules, 1966, the Central Government hereby appoints Shri P. N. Bhandari to be a part-time member of the Board of Control of the Jayanti Shipping Company with effect from the 12th December, 1969, *vice* Shri M. S. Bhatnagar, resigned, and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Transport and Aviation, Department of Transport, Shipping and Tourism (Transport Wing), No. S.O. 1781, dated the 10th June, 1966, namely:—

In the said notification—

(i) in paragraph 1, for the entries against serial No. 5, the following entries shall be substituted, namely:—

“5. Shri P. N. Bhandari, retired Deputy Comptroller and Auditor General”;

(ii) for paragraph 2, the following paragraph shall be substituted, namely:—

“2. Shri P. N. Bhandari shall be a part-time member of the Board of Control”.

[No. 32-MD(11)/69.]

B. P. SRIVASTAVA, Dy. Secy.

(Transport Wing)*New Delhi, the 12th January 1970*

S.O. 275.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 15 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), read with rules 3 and 7 of the Shipping Development Fund Committee (General) Rules, 1960, the Central Government hereby appoints Shri P. D. Kasbekar, Controller of Capital Issues, Ministry of Finance, as a member of the Shipping Development Fund Committee with effect from the 6th November, 1969, *vice* Shri M. K. Venkatachalam and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Transport and Communications (Department of Transport) (Transport Wing), No. 33-MS(222)/58-II, dated the 17th March, 1959, namely:—

In the said notification, for serial No. 4 and the entries relating thereto the following shall be substituted, namely:—

“4. Shri P. D. Kasbekar, Controller of Capital Issues,
Ministry of Finance. 6th November, 1969”.

[No. 35-MD(25)/69.]

JASWANT SINGH, Under Secy.

(Transport Wing)*New Delhi, the 15th January 1970*

S.O. 276.—In exercise of the powers conferred by section 13 of the Calcutta Port Act, 1890 (Bengal Act III of 1890), the Central Government is pleased to authorise the Commissioners for the Port of Calcutta to raise on the 31st December 1969 a debenture loan of Rs. 100 lakhs (Rupees one hundred lakhs), repayable on the 31st December, 1979.

[No. F.9-PG(117)/69.]

K. L. GUPTA, Under Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES

New Delhi, the 13th January 1970

S.O. 277.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of Sub-Section (2) of Section 5 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), the Central Government hereby appoints Dr. A. S. Adke, Vice-Chancellor, Karnatak University, as a member of the University Grants Commission *vice* Prof. V. K. Gokak, who has ceased to be the Vice-Chancellor of Bangalore University. Dr. Adke will hold office till 14th January, 1972.

[No. F. 9-46/69-U2.]

P. D. SHUKLA,
Jt. Educational Adviser.

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1970

एस० ओ० 277.—विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 (1956 का 3) के खण्ड 5 के उप-खण्ड (2) की धारा (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, कर्नाटक विश्वविद्यालय के कुलपति डा० ए० एस० अडके को प्रोफेसर बी० के० गोकक के स्थान पर, जो बंगलौर विश्वविद्यालय के कुलपति नहीं रहे हैं, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक सदस्य के रूप में नियुक्त करती है। डा० अडके 14-1-1972 तक पदधारी रहेंगे।

[सं० एक 9-46/69-यू-2]

परमेश्वर दीन,
संयुक्त शिक्षा सलाहकार।

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(Post and Telegraph Board)

New Delhi, the 8th January 1970

S.O. 278.—In pursuance of para. (a) of section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16th February, 1970 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in BERHAM-PUR (GM) Telephone Exchange, Orissa Circle, Cuttack.

[No. 5-58/69-PHB(2).]

D. R. BAHL,
Assistant Director General (PHB).

संचार विभाग

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1970

स्थायी आदेश, क्रमसंख्या 278.—स्थायी आदेश क्रम संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गए 1951 के भारतीय तार नियमों के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने 16-2-70 टेलीफोन केन्द्र में बरहामपुर से प्रभावित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-58/69-पी एच० बी० (2)]

डी० आर० बहल,
सहायक महानिदेशक (पी० एच० बी०)।

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 17th January 1970

S.O. 279.—In pursuance of sub-section (3) of section 47 of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), read with the Notification of the Government of India in the Department of Commerce and Industry No. 801, dated the 24th March, 1905, the Railway Board sanction the following rules made in supersession of all previous notifications on the subject by the Calcutta Port Commissioners' Railway under clauses (f) and (g) of sub-section (1) of the said section 47 for regulating the use of rolling stock and engines on the said Railway by the public, Government, Military, Railways and all other parties.

1. (1) These rules may be called the Calcutta Port Commissioners' Railway Rules, 1969.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Demurrage on wagons and engines.**—Demurrage on wagons and engines shall be charged at rates not exceeding the rates specified in column (3) of the table below against the wagons and engines specified in the corresponding entry in column (1) thereof.

THE TABLE

Circumstances.	Time allowed free.	Rate per tonne or part of a tonne of carrying capacity of the wagons per hour or part of an hour in excess of the free time.	Remarks.
(1)	(2)	(3)	(4)
(i) On wagons ordered and waiting to be loaded by consignors or detained for consignment note or otherwise owing to default of or at the request of the consignor.	5 working hours from the time at which the wagons including special type stock such as BFR, BFU, BOX, BOBS, BOBX, MBFU, KF, KU, KM type, TP, TM are placed in position for loading.	30 Paise	In cases where wagons are placed against indent by consignors but are not used demurrage charge is leviable for the entire period from the time the wagons was placed in position for loading and upto the time of receipt of written intimation of cancellation of the indent no free time being allowed.
(ii) On loaded wagons waiting to be unloaded by consignee or detained owing to default of or at the request of the consignee.	5 working hours from the time at which the wagons including special type stock such as BFR, BFU, BOX, BOBS, BOBX, MBFU, KF, KU, KM type, TP, TM are placed in position for unloading.	30 Paise	(i) In cases in which the unloading of consignment is required to be done by the consignee, but (a) the consignee fails to perform the unloading of consignment from a wagon within the free time allowed or

(1)

(2)

(3)

(4)

(b) the Railway considers that earlier release of wagons will be secured, by the work of unloading of the wagons being performed by itself even though within the free time allowed then, in either event it shall be open for the railway to undertake the work of unloading and to charge the consignee for doing so.

Wagons so unloaded will be subject to any demurrage that might have accrued before the Railway unloaded the wagon.

(2) In cases where wagons placed or waiting placement at invoiced destination are diverted to another point for unloading at the request of the consignee, demurrage charge is leviable for the entire period from the time the wagons were placed in position or "were available for placement" upto the time of receipt of written intimation requesting diversion no free time being allowed. All subsequent diversions will be similarly dealt with.

(3) In cases where wagons placed in a rake are tackled improperly or left in part making clearance impossible or leading to detention of wagons which have to be despatched as a rake demurrage charge is leviable on the whole rake of wagons from the time of placement till the release of the last wagon after allowing free time of five working hours.

(4) In cases where wagons arrive with commodities which are required to be unloaded by the consignee such as un-slacked lime, tank wagons with oil, molasses and which are neither meant

(1)	(2)	(3)	(4)
			<p>for shipment as per arrangement with the Docks Manager or booked to party's sidings or rented accommodation at the Docks or its sub sections and are detained at the yard, demurrage charge is leviable from the time the wagon is 'available for placement' till release after allowing free time of five working hours.</p>
			<p>(5) In cases where wagons with coal, ore and general exports shut out by vessels and not disposed of by shipper within four hours of completion of the vessels loading demurrage charge is leviable from the time of shutting out of the cargo to the time of receipt of party's disposal instructions no free time being allowed.</p>
			<p>(6) In cases where wagons placed or awaiting placement at the invoiced destination are rebooked to stations on the Foreign Railways at the request of parties demurrage charge is leviable for such detention till submission of complete documents with relooking instructions no free time being allowed.</p>
			<p>(7) In cases where wagons are over-loaded beyond permissible limit or improperly loaded requiring adjustment or when wagons are loaded with consignments with incorrect declaration thereof, demurrage charge is leviable for the entire period of detention from the time of detention no free time being allowed.</p>
<p>(iii) On wagons either loaded or empty available for placement but not actually positioned.</p>	<p>5 working hours from the time of availability.</p>	<p>30 Paise</p>	<p>In cases where wagons cannot be placed for want of accommodation or owing to default of party it shall be open to the railway to levy demurrage charge from the</p>

(1)	(2)	(3)	(4)
			<p>"time of availability" with a view to achieving quicker turn-round of stock.</p>
			<p>N.B. "Time of availability" means the time of arrival of wagons at the yard serving the shed, siding or depot for which they are intended.</p>
<p>(iv) On wagons placed for loading oversized consignments.</p>	<p>5 working hours from the time of placement</p>	<p>30 Paise</p>	<p>(a) Where bedding is required to be done on a wagon before a consignment can be loaded on it and also when after, loading the consignment, the wagon has to be secured with end-packing and lashing detention to wagons would be reckoned in both types of loading as from the time of placement till the time of the issue of final shunting order.</p> <p>(b) The Port Commissioners will, on application, endeavour to provide a travelling and/or floating cranes as and when available but they can accept no liability for non-supply of cranes nor can they guarantee supply within a fixed time.</p> <p>NOTE : (1) "Working hours" means the time for which the shed, siding or depot works as notified by the Calcutta Port Commissioners from time to time.</p> <p>(2) In calculating demurrage :—</p> <p>(a) Fractions of an hour less than 30 minutes should be ignored and 30 minutes and over should be treated as one hour.</p> <p>(b) Fractions of a tonne less than 5 quintals should be ignored while 5 quintals and over should be treated as one tonne.</p>
<p>(v) On engines ordered but not availed of, or availed of but detained for the convenience of Siding Holders.</p>	<p>No free time.</p>		<p>Rs. 10/- per hour or part of an hour.</p>

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

ORDERS

New Delhi, the 3rd January 1970

S.O. 280.—In pursuance of the directions issued under the provisions of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all its language versions to be of the description specified against it in column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

(1) Sub-Section (4) of the Section 12 and Section 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).

(2) Sub-Section (3) of Section 5 and Section 9 of the Bombay Cinemas (Regulation) Act, 1953 (Bombay Act XI of 1953).

THE SECOND SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length 35mm	Name of the Applicant	Name of the Producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news and current events or a documentary film.
1	2	3	4	5	6
1	Maharashtra News No. 210	301.00 M	Director of Publicity, Govt. of Maharashtra, 68, Film Centre, Tardeo, Bombay-34.		Film dealing with news and current events (For release in Maharashtra Circuit only).

[No. F. 24/1/69-FP App 1407.]

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1970

एस० ओ० 280—इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबंध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद, एतद्वारा, इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भाषाओं के रूपान्तर सहित, जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :—

प्रथम अनुसूची

- (1) चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37 वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16।
- (2) बम्बई सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1953 (1953 का 11 वां) बम्बई अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (3) तथा धारा 9।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि० मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेंट्री फिल्म है।
1	2	3	4	5	6
1	महाराष्ट्र समाचार संख्या 210	301.00 मीटर	प्रचार निदेशक, महाराष्ट्र सरकार, 68-तारदेव रोड बम्बई-34 ।		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (केवल महाराष्ट्र सर्किट के लिये)

[संख्या फ० 24/1/69/एफ० पी०-परिशिष्ट 1407]

S.O. 281.—In pursuance of the directions issued under the provisions of each of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto, the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in Gujarati to be of the description specified against it in column 6 of the said Second Schedule.

THE SECOND SCHEDULE

(1) Sub-Section 4 of the Section 12 and Section 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).

(2) Sub-Section (3) of Section 5 and Section 9 of the Bombay Cinemas (Regulation) Act, 1953 (Bombay Act XVII of 1953).

(3) Sub-Section (4) of Section 5 and Section 9 of the Saurashtra Cinemas (Regulation) Act, 1953 (Saurashtra Act XVII of 1953).

THE SECOND SCHEDULE

Sl. No.	Title of the film.	Length 35 mm	Name of the Applicant	Name of the Producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news & current events or a documentary film.
1	2	3	4	5	6
1	Mahitichitra No. 115	203.00 M	Director of Information Govt. of Gujarat, Sachivalaya, Ahmedabad-15.		Film dealing with news and current events (For release in Gujarat Circuit Only).

एस० नो० 281—इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद, एतद्वारा, इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके गुजरात भाषा रूपान्तर सहित, जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है:—

प्रथम अनुसूची

- (1) चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37 वां [केन्द्रीय अधिनियम] की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16।
- (2) बम्बई सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1953 (1953 का 17 वां बम्बई अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (3) तथा धारा 9।
- (3) सौराष्ट्र सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1953 (1953 का 17 वां सौराष्ट्र अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (4) तथा धारा 9।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई 35 मि० मी०	प्रावदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेन्ट्री फिल्म है।
1	2	3	4	5	6
1	महितिचित्रा संख्या 115	203.00 मोटर	मूचना निदेशक गुजरात सरकार, सचिवालय, अहमदाबाद-15.		समाचार और सामयिक घटनाओं से सम्बन्धित फिल्म (केवल गुजरात सकिट के लिये)।

[संख्या का० 24/1/69-एफ०पी०परिशिष्ट 1408]

S.O. 282.—In pursuance of the directions issued under the provisions of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in Hindi language version to be of the description specified against it in column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

(1) Sub-Section (4) of Section 5 of Uttar Pradesh Cinemas Regulations Act, 1955 (Uttar Pradesh Act No. 3 of 1955).

THE SECOND SCHEDULE

Sl. No.	Title of the film	Length 35 mm	Name of the Applicant	Name of the Producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news & Current events or documentary film
1	2	3	4	5	6
1	Uttar Pradesh Samachar No. 3	289.56 M	Shri J. R. Chaturvedi, Soochna Bhavan, Lucknow, U. P.	Shri Mahesh Prasad, IAS, Director of Information, Government, of Uttar Pradesh Lucknow,	Film dealing with news and current events (For release in U. P. Circuit only).

[No. F. 24/1/69-FP App. 1409.]

K. K. KHAN, Under Secy.

एस० नो० 282.- इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद, एतद्वारा इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भाषाओं के रूपान्तर सहित जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :-

प्रथम अनुसूची

उत्तर प्रदेश सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1955 (1956 का तीसरा उत्तर प्रदेश अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (4)।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि० मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेन्ट्री फिल्म है।
1	2	3	4	5	6
1	उत्तर प्रदेश समाचार संख्या 3	289 56 मीटर	श्री जे० आर० चतुर्वेदी, सूचना भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।	श्री महेश प्रसाद, आई०ए० एस०, सूचना निदेशक, लखनऊ।	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (केवल उत्तर प्रदेश सर्किट के लिये)।

[संख्या फ० 24/1/69-एफ०पी०-परिशिष्ट 1409]

के० के० कपल, सचिव सचिव।

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 7th January 1970

S.O. 283.—In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals S.O. No. 4564 dated 28th December, 1968, the Central Government hereby authorises the authority mentioned in column (I) of the schedule below to perform with effect from 15th December, 1969, the functions of the Competent Authority, under the said Act within the limits of the state mentioned in the corresponding entry in column (3) of the said Schedule.

SCHEDULE

Name and Authority	Address	Territorial Jurisdiction
1	2	3
Shri S. N. Ganguli Liaison Officer.	India Oil Corporation Limited, (Refineries Division-Pipelines) P. O. Baraut i Oil Refinery, District Monghyr, Bihar.	State of Bihar

[No. 31(6)/63-ONG/OR/Lab. & Legis.]

New Delhi, the 16th January 1970

S.O. 284.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals S.O. No. 3685 dated 26th August 1969 amended *vide* S.O. No. 4888 under No. 20/3/67-IOC/LAB. & LEGIS: dated 25th November, 1969 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines.

And, whereas, the competent authority has, under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines and in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

LAYING PIPELINE FROM WELL No. 14 (SL) to WELL No 15 (ST)

State—Gujarat

Dist—Mehsana

Taluka—Kalol

Village	Survey No	Hectare	Acre	P.Acre
JETHALAJ	457/1&2	0	10	82
	456	0	00	50
	455	0	7	38
	448 & 449	0	12	44
	450	0	1	81
	V. P. Cart Track	0	0	90
	444	0	1	00
	443	0	15	41
	438/2	0	2	82
	438/1A)			
	428/1B)	0	7	
	438/1C)			
	437/2	0	1	11
	430	0	8	49
	431	0	5	86
	376	0	0	50
	375	0	10	14
	374/1)			
	374/2)	0	3	74

[No. 20/3/67-IOC/Lab.&Legis.]

M. V. S. PRASADA RAU, Under Secy.

पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय

(पैट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 11 सितम्बर 1969

का० प्रा० 3782—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में अंकलेश्वर तेल क्षेत्र में व्यघन स्थल कुंआं 21 से कुंआं संख्या 20 तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए और ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः, अब, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

3. उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गुजरात पाइप लाइन (तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग) के कार्यालय, बरोदा के पश्चिमी क्षेत्र, गेड नं० 27, मकरपुरा रोड, सेन्ट्रल वर्कशॉप के पास बरोदा-4 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा । ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी को भाफँत

अनुसूची

राज्य : गुजरात

जिला : बरीद

तालुका : अंकलेश्वर

कुआं संख्या 21 से कुआं संख्या 20 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टर	आर	पीआर
हजात	15	0	16	90
	16	0	1	82
	13	0	15	60
	35	0	16	77

[सं० 31/67/63-प्रोड/आई० प्रो० सी०/लेबर एण्ड लेजिस]

नई दिल्ली, अक्तूबर 19, 1969

का० आ० 4313 : —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में अंकलेश्वर तेल क्षेत्र में व्ययन स्थल कुआं संख्या 18 कोसम्बा से कोसम्बा में जी जी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए और ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः, अब, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

3. उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गुजरात पाइपलाइन (तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग) के कार्यालय, बरीदा के पश्चिमी क्षेत्र, शेड नं० 27, मकरपुरा रोड, सेंट्रल वर्कशॉप के पास बरीदा-4 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा । ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

कुआं संख्या-18 कोसम्बा से कोसम्बा में जी जी एस तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य :	गुजरात :	जिला :	सूरत :	तालुका :	मंगरील
गांव	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टर	आर	पी आर	
कुवेरडा	154	0	22	33	
	146	0	5	88	
	156	0	17	63	
	22	0	2	35	
	21	0	7	05	
	22/1	0	22	33	

अनुसूचि

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टर	घर	पी घर
	901/12	0	15	28
	2/1	0	14	10
	881	0	2	35
	882	0	5	88
	883	0	3	53
	880	0	4	70
	884	0	2	35
	885	0	5	88
	886	0	5	88
	890	0	2	35
	892	0	5	88
	856	0	5	88
	855	0	9	40
	854	0	7	05
	852	0	4	70

(सं० 11 (3)/69-लेबर एण्ड लेजिस]

गुडिपत्र

नई दिल्ली, 4 अगस्त 1969

का० अा० 3269:—भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा खान और मत्तल की अधिसूचना संख्या 29/7/68-आई ओ सी / लेबर (6) दिनांक 10-4-69, जिसका कामूनी आदेश संख्या 1467 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3 के उपखण्ड (ii) दिनांक 19-4-69 को प्रकाशन हुआ था, के पृष्ठ संख्या 1377 और गांव कथाडा, तालुका भारत में क्षेत्रों का निम्न प्रकार संशोधन किया जाए :—

(1) सर्वेक्षण संख्या के लिए

क्षेत्र
“पड़िए” “के लिए”

है० घर० पी० घर० है० घर० पी० घर०

152/2	0	10	0	0	19	98
127	0	3	79	0	7	58
151/1	0	10	79	0	12	79
151/2	0	4	95	0	1	05
149/1	0	0	2	0	1	95

(2) बी सी-15 तथा डी बी डी एफ 38 से जी जी एस II तक के स्थान पर बी सी-15 से जी जी एस II पड़िए ।

[सं० 29/7/68-आई० ओ० सी/लेबर तथा लेजिस (सी)]

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1969

का० प्रा० 3784:--भारत सरकार के पेट्रोलियम तथा रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 29(7)/68-आई० ओ० सी०-लेबर दिनांक 23-12-1968, जिसका कानूनी आदेश संख्या 4० के अन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3 के उपखण्ड (II) दिनांक 4-1-1969 को प्रकाशन हुआ था, के--। पृष्ठ संख्या 35 तथा गांव पनसोली में

सर्वेक्षण संख्या के लिए					'पढ़िए'		'के लिए'	
					एच आर पी आर		एच आर पी आर	
1.	292	.	.	.	०	4 56	०	3 ००
	298	.	.	.	०	15 5०	०	12 5०

2. सर्वेक्षण संख्या 294 का विलोप किया जाए।

II. पृष्ठ संख्या 35 तथा गांव नवागाव में

सर्वेक्षण संख्या के लिए					'पढ़िए'		'के लिए'	
					एच आर पी आर		एच आर पी आर	
(1)	616/1	.	.	.	०	1 ०	०	5 ००
	616/2/1	.	.	.				
	616/2/2	.	.	.				
	617/1	.	.	.	०	5 ०	०	1 ००
	617/2							
	617/3							
(2)	सर्वेक्षण संख्या	सर्वेक्षण संख्या						
	714/1	3०2/1						
	741/2	3०2/2			का विलोप किया जाए।			
	741/3	3०4/2						
		3०4/1						

[सं० 29/7/68-आई०ओ०सी०/लेबर एण्ड लेजिस]

म० वे० शिवप्रसाद राव, अवर सचिव।

(Department of Mines and Metals)

ERRATUM

New Delhi, the 12th January 1970

S.O. 285.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals (Department of Mines and Metals) No. S.O. 4219 dated the 4th October, 1969, published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 18th October, 1969, at pages 4541 to 4543:—

at page 4541:—

in line 18, for "right", read "rights":

at page 4542:—

(i) in line 13, for "in village Borea", read "Plot number acquired in village Borea";

(ii) in line 29, for "on" read "of";

(iii) in line 41, for "Jarangdih", read "Jaridih";

at page 4543:—

(i) in tabular statement in lines 11 and 12, for "Total area or: 111.00 acres (Approximately) 44.96 Hectares (Approximately)" read "Total area—111.00 acres (Approximately) or 44.96 Hectares (Approximately)";

(ii) in line 27, for "888" read "880".

[No. C2-20(17)/62.]

K. SUBRAHMANYAN, Under Secy.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 14th January 1970

S.O. 286.—The following draft rules, which the Central Government proposed to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), are published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after 15th February, 1970.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified, will be considered by the Central Government.

SEEDLESS TAMARIND GRADING AND MARKING RULES, 1970

1. **Short title and application.**—(1) These rules may be called the Seedless Tamarind Grading and Marking Rules, 1970.

(2) They shall apply to seedless tamarind (*Tamarindus indicus*) produced in India.

2. **Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires,

(a) 'Agricultural Marketing Adviser' means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(b) 'Schedule' means a Schedule appended to these rules.

3. Grade designations.—Grade designations to indicate the quality of seedless tamarind shall be as set out in column 1 of the Schedule.

4. Definition of quality.—The quality of Seedless tamarind indicated by the respective grade designations shall be as set out against each grade designation in columns 2 to 8 of the Schedule.

5. Grade designation marks.—The grade designation mark in the case of seedless tamarind shall consist of a label specifying the grade designation and a design approved by the Agricultural Marketing Adviser.

6. Methods of Marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the grade designation mark, each container shall be clearly marked with such particulars and in such manner as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser.

(3) An authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container, in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark does not represent a quality or grade of seedless tamarind different from that indicated by the grade designation mark affixed to the container in accordance with these rules.

7. Method of Packing.—(1) Seedless tamarind shall be packed in:

- (i) polythene bags of 500 gms. and 1 Kg.;
- (ii) closely woven bamboo baskets, preferably lined with polythene or palmyra mat, of 25 Kgs. and 50 Kgs.;
- (iii) sound gunny bags, preferably lined with polythene, of 10 Kgs., 25 Kgs. and 50 Kgs.;
- (iv) wooden boxes, lined with palmyra mats, of 25 Kgs. and 50 Kgs.

(2) The container shall be sound, clean, dry and free from insect infestation or fungus contamination and from any undesirable smell.

(3) The container shall be securely closed and sealed in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(4) Each container shall contain seedless tamarind of one grade designation only.

8. Special conditions of Certificate of Authorisation.—In addition to the conditions specified in rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the following special conditions shall be observed by authorised packers to the satisfaction of the Agricultural Marketing Adviser, namely:—

- (a) An authorised packer shall make such arrangements for testing seedless tamarind, as may be prescribed from time to time by the Agricultural Marketing Adviser.
- (b) An authorised packer shall provide all facilities to the inspecting Officers duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser, in this behalf for sampling, testing and such other matters.
- (c) An authorised packer shall observe all instructions regarding the methods of sampling and analysis, sealing and marking the containers and maintenance of records, etc. which may be issued from time to time by the Agricultural Marketing Adviser.

SCHEDULE

(See rules 3 and 4)

Grade Designations and Definition of Quality of Seedless Tamarind

GRADE		Special Characteristics					General Character- istics
Designation	Colour	Maximum limits of tolerance					
		Moisture (percen- tage by weight)	Seed content (per- centage by weight)	Foreign matter includ- ing fibre- strand and rind (per- centage by weight)	Total Ash (percent- age by weight)	Acid insol- uble Ash(per- centage by weight)	
1	2	3	4	5	6	7	8
SPECIAL	Light red	15.00	3.0	1.0	2.50	0.25	1. The tamarind pulp shall have been obtained from the mature fruits of <i>Tamarindus indica</i> , by removing first the rind, then the fibrous skeleton enclosing the pulp and the seeds.
GOOD	Red tinged brown,	15.00	5.0	1.5	2.75	0.30	
FAIR	Dark brown to	15.00	7.0	2.0	3.00	0.40	
	Light black						
AVERAGE	Black	15.00	10.00	2.5	3.25	0.50	2. The pulp shall be well dried and compressed into cakes. 3. The pulp shall be free from insect infestation or live insects. 4. The colour of the cake shall be uniform. 5. The pulp shall have the characteristic taste and flavour and shall be free from any obnoxious odour.

N.B.—(i) Columns 6 and 7—Results are to be expressed on moisture free basis.

(ii) For estimation of ash and acid insoluble ash, the material is to be taken after removing seeds and fibres.

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)]

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1970

का०आ० 286.—उन नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिन्हें केन्द्रीय सरकार, कृषि उत्पाद (श्रेणीकरण और चिन्हन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, एतद्वारा प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये, प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर 15-2-1970 को अथवा उस के पश्चात् विचार किया जायेगा।

विनिर्दिष्ट तारीख से पहले उक्त प्रारूप के विषय में किसी व्यक्ति से प्राप्त किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

बीज रहित हमली श्रेणीकरण और चिन्हन नियम, 1970

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना : (1) ये नियम बीज रहित हमली श्रेणीकरण और चिन्हन नियम, 1969 कहे जा सकेंगे।

(2) ये भारत में उत्पादित बीज रहित हमली (टेमेरिन्डस इन्डीकस) पर लागू होंगे।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'कृषि विपणन सलाहकार' से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है;

(ख) 'अनुसूची' से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

3. श्रेणी अभिधान :—बीज रहित हमली की क्वालिटी उपवर्णित कर देने के लिये श्रेणी अभिधान वह होंगे जो अनुसूची के स्तम्भ 1 में उपवर्णित हैं।

4. क्वालिटी की परिभाषा :—अलग अलग श्रेणी अभिधानों से उपवर्णित बीज रहित हमली की क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची के स्तम्भ 2 से लेकर 8 में प्रत्येक अभिधान के सामने उपवर्णित है।

5. श्रेणी अभिधान चिन्ह :—बीज रहित हमली की दशा में श्रेणी अभिधान चिन्ह एक लेबिल के रूप में होगा जिस में श्रेणी अभिधान और कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित डिजाइन विनिर्दिष्ट हों।

6. चिन्हन की पद्धतियाँ : (1) श्रेणी अभिधान चिन्ह प्रत्येक आधान पाल पर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति में सुरक्षित रूप से चिपकाया जाएगा।

- (2) श्रेणी अभिधान चिन्ह के अतिरिक्त प्रत्येक आधान पात्र ऐसी विशिष्टियों के साथ और ऐसी रीति में स्पष्टतया अंकित किया जाएगा जैसी कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं ।
- (3) कोई प्राधिकृत पैकर कृषि विपणन सलाहकार का पूरा अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति में किसी आधान पात्र पर अपना प्राइवेट व्यापार चिन्ह चिह्नित कर सकेगा, परन्तु वह प्राइवेट व्यापार चिन्ह इन नियमों के अनुसार पात्र पर लगाए गए, बीज रहित हमली की उपरिर्णित श्रेणी अभिधान चिन्ह से भिन्न किसी क्वालिटी या श्रेणी का प्रतिनिधित्व न करता हो ।

7. पैकिंग की पद्धति : (1) बीज रहित हमली निम्नलिखित में पैक की जाएगी :—

- (i) 500 ग्राम और 1 कि० ग्राम वाले पोलिथीन के थैले;
- (ii) 25 कि० ग्राम और 50 कि० ग्राम वाली बांस की संघन बूनी हुई टोकरियां (अच्छा होगा यदि उन में पोलिथीन या ताड़ की चटाई बिछाई हुई हो);
- (iii) 10 कि० ग्रा०, 25 कि० ग्रा० और 50 कि० ग्रा० वाले मजबूत बोरे (अच्छा होगा यदि उन में पोलिथीन का अस्तर हो);
- (iv) 25 कि० ग्रा० और 50 कि० ग्रा० के, ताड़ की चटाई का अस्तर लगाकर, लकड़ी के बक्से ।

(2) आधान पात्र मजबूत, स्वच्छ, आर्द्रता रहित एवं कीट बाधा या फंफूद संदूषण एवं किसी भी अवांछनीय संध से मुक्त होंगे ।

(3) आधान पात्र कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित किसी भी रीति में सुरक्षित रूप से बन्द एवं सील किये जायेंगे ।

(4) प्रत्येक आधान पात्र में केवल एक ही श्रेणी अभिधान की बीज रहित हमली होगी ।

8. प्राधिकार प्रमाणपत्र की विशेष शर्तें :—साधारण श्रेणीकरण और चिन्हन नियम, 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त प्राधिकृत पैकरों को निम्नलिखित विशेष शर्तें कृषि विपणन सलाहकार के समाधान के अनुरूप अनुपालन करनी होंगी ।

- (क) प्राधिकृत पैकर बीज रहित हमली की जांच के लिये ऐसी व्यवस्था करेगा जसी कि समय-समय पर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विहित की जाए ।
- (ख) प्राधिकृत पैकर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस निमित्त सम्यक् रूप से प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारी को नमूना लेने, जांच करने एवं इसी प्रकार के अन्य मामलों में सभी सुविधाएं प्रदान करेगा ।
- (ग) प्राधिकृत पैकर नमूना लेने, उन का विश्लेषण करने, आधान पात्रों के सील करने और चिन्ह लगाने की पद्धतियों तथा अभिलेखों के अनुरक्षण आदि से संबंधित उन सभी अनुदेशों का अनुपालन करेगा जो समय-समय पर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा जारी किये जाएं ।

अनुसूची

(नियम 3 और 4 देखिए)

बीज रहित इसली की क्वालिटी की परिभाषा और श्रेणी अभिव्यक्ति

श्रेणी अभिव्यक्ति	रंग	विशेष लक्षण					सामान्य लक्षण
		छूट की अधिकतम सीमाएं					
		तोल के अनुसार नमी का प्रतिशत	तोल के अनुसार बीज का प्रतिशत	तोल के अनुसार बाह्य पदार्थ (जिस के अंतर्गत तन्तु, गुच्छ और छिलके भी जाते हैं) का प्रतिशत	तोल के अनुसार कुल राख का प्रतिशत	तोल के अनुसार अम्ल में अविलेय राख का प्रतिशत	
1	2	3	4	5	6	7	8
विशेष	हल्की लाल	15.00	3.0	1.0	2.501	0.25	1. इसली का यह गुदा, टेनेरिड इन्डिका के परिपक्व फल से ऊपरी छिलके की और गुदे और बीज के ऊपर के रेशेदार झिल्ली को उतारने के बाद, प्राप्त किया जायेगा।
बच्छी	लाल आभा युक्त भूरी	15.00	5.0	1.0	2.55	0.30	2. गुदा अच्छी तरह सुखाया हुआ और केक के रूप में बाधा हुआ होगा।
सामान्य	गहरी भरी से हल्की काली	15.00	7.0	2.0	3.00	0.40	3. गुदा कीट बाधा से मुक्त हो और उस में कीड़े न हों।

1	2	3	4	5	6	7	8
श्रीसूत	कासी	15.00	10.00	2.5	3.25	0.50	4. एक केक में एक ही रंग का गुदा होगी। 5: बुदे में इसकी का ही किमिष्ट समद और गंध होगी। और वह किसी भी बुरी गंध से मुक्त होगा।

[सं० 13-30/69-एल०ए०]

S.O. 287.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), the Central Government hereby declares that the provisions of the said Act shall apply to the following articles, namely:—

Tamarind and tamarind products.

[No. F.13-30/69-LA.]

एस० ओ० 287—कृषि उत्पाद (श्रेणीकरण और चिन्हन) अधिनियम 1937 (1937 के 1) के अन्तर्गत द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उपरोक्त अधिनियम के उपबंध निम्नलिखित वस्तुओं पर लागू होंगे।

इमली और इमली के उत्पादों पर।

[सं० फा० 13-30/69-एस० ए०]

ब० र० कपूर, अधर सचिव।

CORRIGENDUM

New Delhi, the 14th January 1970

S.O. 288.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Co-operation (Department of Agriculture) No. S.O. 4105, dated the 4th October, 1969 and published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) at pages 4414—4417, on 11th October, 1969, the following corrections are notified:—

1. The words 'body of person' printed in the first line of rule 2(b) on page 4414 should be corrected to read as 'body of persons'.
2. The words 'भारतीय उत्पाद' and bracket sign after these words have not been printed on the 6th line of rule 5(3) between the words 'Produce of India', and resembling one as set out in Schedule I on page 4415. This may be got inserted to read as 'Produce of India' and 'भारतीय उत्पाद' resembling the one as set out in schedule 1.
3. Schedule II page 4417.—(i) The word 'special' is missing under Grade designation column 1, item 1 of the Schedule II and the same may be got inserted so as to read as 'cumin special'.
- (ii) The spelling of the words occurring under column 7(a) as 'cunimum Cymimum L' should be corrected to read as 'cuminum cymimum L'.

[No. 13-16/67AM.]

B. R. KAPOOR, Under Secy.

(Indian Council of Agricultural Research)

New Delhi, the 15th January 1970

S.O. 289.—In pursuance of Regulation 2(iv) of the Standing Finance Committee Regulations, the following members of the Governing Body of the Indian Council of Agricultural Research have been elected by that Body to be members of the Standing Finance Committee for a period of one year with effect from the 29th November, 1969, or till such time as their successors are duly elected by that Body, which, ever is later:—

1. Dr. K. Ramiah, Member, Rajya Sabha, Malleswaram, Bangalore.
2. Dr. J. S. Patel, Gotri Road, Baroda.
3. Shri Shantilal B. Pandya, Pandya Farm, Dohad (Gujarat).
4. Shri G. A. Appan, Member, Rajya Sabha, Gokulam Compound, Madras.
5. Dr. L. S. Negi, Vice-Chancellor, Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya, Jabalpur.
6. Dr. N. K. Panikkar, Director, National Institute of Oceanography, Panaji (Goa).
7. Shri Shah Nawaz Khan, Chairman, National Seeds Corporation Limited, New Delhi.

[No. 35(2)/69-CDN(I).]

M. D. PANDE, Under Secy.

(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्)

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1970

एस० ओ० 289.—स्थायी वित्त समिति की नियमावली के विनियम 2 (4) का अनुसरण करते हुए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की शासी निकाय के निम्नलिखित सदस्यों को 29 नवम्बर, 1969 से एक वर्ष की अवधि अथवा उस समय तक जब कि उस निकाय द्वारा उनके उत्तराधिकारी भली प्रकार न चुने जाये, इनमें जो भी बाद में पूर्ण हो, के लिए स्थायी वित्त समिति का सदस्य निर्वाचित किया गया है :—

1. डा० के० रमैया, सदस्य, राज्य सभा, मालेश्वरम्, बंगलौर ।
2. डा० जे० एस० पटेल, गोत्री रोड, बड़ौदा ।
3. श्री शान्ति लाल बी पाण्ड्या, पाण्ड्या फार्म, दोहद (गुजरात) ।
4. श्री जी० ए० अप्पन, सदस्य राज्य सभा, गोकुलम कम्पाउण्ड, मद्रास ।
5. डा० एल० एस० नेगी, उप-कुलपति, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर ।
6. डा० एन० के० पणिकर, निदेशक, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, पानाजी (गोआ) ।
7. श्री शाह नवाज खान, अध्यक्ष, राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड, नई दिल्ली ।

[संख्या 35(2)/69-समन्वय-1]

महेशदत्त पाण्डे,

अवर सचिव ।

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

INCOME-TAX

New Delhi, the 24th October 1969

S.O. 290.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the ranges specified in Column 1 of the Schedule below, shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to income-tax or super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in Column 2 thereof.

SCHEDULE

Range	Income-tax Circle, Wards and Districts.
I	2
A—Range, Jaipur	1. B. C. E. J. K & M Wards Jaipur. 2. All Companies Circles having headquarters at Jaipur. 3. Special Survey Circles I & II, Jaipur.
B—Range, Jaipur	1. A. D. F. G. H. Wards, Additional B—Ward Jaipur and all Special Wards with Headquarters at Jaipur. 2. Special Investigation Circles, A & B. Jaipur. 3. All Central Circles having headquarters at Jaipur. 4. Estate Duty Circle, Jaipur. 5. All Salary Circles having headquarters at Jaipur. 6. Special Assessment Circles I, II & III, Jaipur. 7. Special Assessment Circle, Jaipur.
A—Range, Jodhpur	1. A. D. F & H. Wards Jodhpur 2. Companies Circle, Jodhpur. 3. Special Survey Circle, Jodhpur. 4. All Incometax Wards having headquarters at Pali. 5. All Incometax Wards having headquarters at Sirohi.
A—Range, Jodhpur	1. B. C. E. G. & J. Wards, Jodhpur. 2. Special Assessment Circle, Jodhpur. 3. All Wards having headquarters at Nagaur. 4. Special Assessment Circles, I & II, Jodhpur. 5. A-I Ward, Jodhpur.
Udaipur Range, Udaipur	1. All Incometax Wards and Circles having headquarters at Udaipur. 2. Chittorgarh Circle. 3. Bhilwara Circle.
Bikaner Range, Bikaner	1. All Incometax Wards having headquarters at Bikaner. 2. All Incometax Wards having headquarters at Sriganganagar.
Ajmer Range, Ajmer	1. All Incometax Wards having headquarters at Ajmer. 2. Beawar Circle. 3. All Incometax Wards having headquarters at Alwar. 4. Sikkar Circle. 5. Jhunjhunu Circle.
Kota Range, Kota	1. All Incometax Wards having headquarters at Kota. 2. Bharatpur Circle. 3. Sawaimadhopur Circle.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one range to another range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and

pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date this notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range to whom the said circle, ward or district or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 24th October, 1969.

Explanatory Note:

The amendment has become necessary on account of reallocation of jurisdiction of A.A.Cs.

(The above note does not form a part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 143 (F. No. 50/42/69-ITJ).]

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

आयकर

नई दिल्ली, 24 अक्तूबर, 1969

ए०स ओ० 290:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा 1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त अपने को समर्थ बनानेवाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध की सभी पूर्व अधिसूचनाओं को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची में स्तंभ में विनिर्दिष्ट रेंजों के अपीली सहायक आयकर आयुक्त उन सभी व्यक्तियों के और उस आय के संबंध में अपने कृत्यों का पालन करेंगे जो उस अनुसूची के स्तंभ 2 की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सिकिलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकार के लिए निर्धारित हुए हैं।

अनुसूची

रेंज	आयकर सिकिलें, बोर्ड और जिले
1	2
(क) रेंज, जायपुर	<ol style="list-style-type: none"> 1. ख, ग, ङ, ज, ट और ड वार्ड, जायपुर। 2. सभी कंपनी सिकिलें जिनके मुख्यालय जयपुर में हैं। 3. विशेष सर्वेक्षण सिकिल I और II, जयपुर।
(ख) रेंज, जयपुर	<ol style="list-style-type: none"> 1. क, घ, च, छ, ज वार्ड, अतिरिक्त ड-वार्ड, जयपुर और सभी विशेष वार्ड जिनके मुख्यालय जयपुर में हैं। 2. विशेष अन्वेषण सिकिल, क और ख, जयपुर। 3. सभी केन्द्रीय सिकिल जिनके मुख्यालय जयपुर में हैं। 4. सम्पदा शुल्क सिकिल, जयपुर। 5. सभी वेतन सिकिलें जिनके मुख्यालय जयपुर में हैं। 6. विशेष निर्धारण सिकिलें, I, II और III, जयपुर। 7. विशेष निर्धारण सिकिल, जयपुर।
(क) रेंज, जोधपुर	<ol style="list-style-type: none"> 1. क, घ, च और ज वार्ड, जोधपुर। 2. कंपनी सिकिल, जोधपुर।

	3. विशेष सर्वेक्षण सर्किल, जोधपुर।
	4. सभी आयकर वार्ड जिनके मुख्यालय पाली में हैं।
	5. सभी आयकर वार्ड जिनके मुख्यालय सिरौही में हैं।
(ख) रेंज, जोधपुर	1. ख, ग, ङ, छ और झ वार्ड, जोधपुर।
	2. विशेष निर्धारण सर्किल, जोधपुर।
	3. सभी वार्ड जिनके मुख्यालय नागौर में हैं।
	4. विशेष निर्धारण सर्किल I और II, जोधपुर।
	5. क-1 वार्ड, जोधपुर।
उदयपुर रेंज, उदयपुर	1. सभी आयकर वार्ड और सर्किल जिनके मुख्यालय उदयपुर में हैं।
	2. चित्तोड़गढ़ सर्किल।
	3. भीलवाड़ा सर्किल।
बीकानेर रेंज, बीकानेर	1. सभी आयकर वार्ड जिनके मुख्यालय बीकानेर में हैं।
	2. सभी आयकर वार्ड जिनके मुख्यालय श्रीगंगानगर में हैं।
अजमेर रेंज, अजमेर	1. सभी आयकर वार्ड जिनके मुख्यालय अजमेर में हैं।
	2. ब्यावर सर्किल।
	3. सभी आयकर वार्ड जिनके मुख्यालय अलवर में हैं।
	4. सीकर सर्किल।
	5. झुनझुन सर्किल।
कोटा रेंज, कोटा	1. सभी आयकर वार्ड जिनके मुख्यालय कोटा में हैं।
	2. भरतपुर सर्किल।
	3. सबाई माधोपुर सर्किल।

जहाँ कि इस अधिसूचना द्वारा कोई आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरे रेंज को अन्तरित हो गया हो वहाँ उस आयकर सर्किल वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में निर्धारण के परिणाम स्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के अपीली सहायक आयकर आयुक्त के समक्ष लम्बित थी, जिसमें वह आयकर सर्किल, या वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, अपीली सहायक आयुक्त को अन्तरित कर दी जाएंगी और उनके संबंध में कार्यवाही उक्त अपीली सहायक आयकर आयुक्त द्वारा की जाएगी।

यह अधिसूचना 24 अक्टूबर, 1969 से प्रभावी होगी

स्पष्टीकरण टिप्पण :

यह संशोधन अपीली सहायक आयुक्तों के भारत साधन क्षेत्र के पुर्नआर्बटन के कारण आवश्यक हो गया।

(उपयुक्त टिप्पण अधिसूचना का अंग नहीं है किन्तु केवल स्पष्टीकरण के लिए आशयित है)।

[सं० 143 (फा० सं० 50/42/69-आई० टी० जे०)]

S.O. 291.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), and of all other powers enabling it in that behalf, and in supersession of all the previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Ward or District specified in the corresponding entry in column 3 thereof.

SCHEDULE

Serial No.	Name	Income-tax Circles, Ward or Districts
1	2	3
1.	Patna 'A'	(i) A, B, D, F & I Wards of Patna Circle, Patna. (ii) Ward (i) of Patna I, Patna. (iii) Ward (i) of Patna II, Patna. (iv) Ward (iii) of Patna I, Patna. (v) Ward (ii) of Patna II, Patna. (vi) Special Investigation Circle, Patna. (vii) Special Estate-Duty, Cum-I.T. Circle, Patna. (viii) Shahabad Circle, Arrah. (ix) Monghyr Circle, Monghyr (excluding Begusar and Khagaria Sub-Divisions of Revenue District Monghyr).
2.	Patna 'B'	(i) C, B, G, & H. Wards of Patna Circle, Patna. (ii) Ward (ii) of Patna I, Patna. (iii) Ward (iii) of Patna II, Patna. (iv) Salary Circle, Patna. (v) Special Circle, Ward A & B, Patna. (vi) Gaya Circle, Patna. (vii) Hazaribagh Circle, Hazaribagh.
3.	Muzaffarpur	(i) Muzaffarpur Circle, Muzaffarpur. (ii) Saran Circle, Chapra. (iii) Darbhanga Circle, Laheriasarari. (iv) Champaran Circle, Motihari. (v) Begusarai Circle, Begusarai.
4.	Bhagalpur	(i) Bhagalpur Circle, Bhagalpur. (ii) Santhal Pargana Circle, Deoghar. (iii) Purnea-Saharsa Circle, Purnea (Excluding Baktiarpur Police Station of Revenue District of Saharsa).
5.	Ranchi	(i) Ranchi Circle, Ranchi. (ii) Special Circle, Ranchi. (iii) Salary Circle, Ranchi. (iv) Special Estate-Duty-Cum-I.T. Office, Ranchi. (v) Palamau Circle, Daltonganj. (vi) A. C. & D Wards of Singhbhum Circle, Jamshedpur. (vii) Salary Circle, Jamshedpur.
6.	Dhanbad	(i) Dhanbad Circle, Dhanbad. (ii) Colliery Circle, Dhanbad. (iii) Bokaro Circle, Bokaro Steel City, Bokaro. (iv) B-Ward of Singhbhum Circle, Jamshedpur.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one range to another range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward and District or part thereof is transferred shall, from the date this notification shall

take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 24th October, 1969.

Explanatory Note:

The amendment has become necessary on account of reorganisation of jurisdiction of A.A.Cs. Patna, A & B Ranges, Dhanbad and Bhagalpur Ranges.

(The above note does not form a part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 144 (F. No. 50/36/69-ITJ.)]

एस० प्रो० 291:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त अपने को समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध की सभी पूर्व अधिसूचनाओं को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट रंजों के अपीली सहायक आयकर आयुक्त उन सभी व्यक्तियों के और उस आय के संबंध में अपनी कृत्यों का पालन करेंगे जो उस अनुसूची के स्तंभ 3 की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्ड और जिला में आयकर या अधिकर के लिए निर्धारित हुए हैं।

अनुसूची

क्रम सं	रेंज	आयकर सर्किलें, वार्ड या जिले
1	2	3
1.	पटना 'क'	(i) पटना सर्किल, पटना के क, ख, घ, च और ज वार्ड । (ii) पटना I का वार्ड (i), पटना । (iii) पटना II का वार्ड (i), पटना । (iv) पटना I का वार्ड (iii), पटना । (v) पटना II का वार्ड (ii), पटना । (vi) विशेष अन्वेषण सर्किल, पटना । (vii) विशेष सम्पदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, पटना । (viii) शाहाबाद सर्किल, आरा । (ix) मुंगेर सर्किल, मुंगेर (मुंगेर के राजस्व जिला के बेगुसराय और खगाड़िया सब-डिवीजन छोड़ कर) ।
2.	पटना 'ख'	(i) पटना सर्किल, पटना के ग, ङ, छ और ज वार्ड । (ii) पटना I का वार्ड (ii), पटना । (iii) पटना II का वार्ड (iii), पटना । (iv) बेतन सर्किल, पटना । (v) विशेष सर्किल, वार्ड क और ख । (vi) गया सर्किल, गया । (vii) हजारीबाग सर्किल, हजारीबाग ।

1	2	3
3.	मुजफ्फरपुर . . .	(i) मुजफ्फरपुर सिकिल, मुजफ्फरपुर । (ii) सारन सिकिल, छपरा । (iii) दरभंगा सिकिल, लहेरिया सराय । (iv) चंपारन सिकिल, मोतीहारी । (v) बेगुसराय सिकिल, बुगुसराय ।
4.	भागलपुर . . .	(i) भागलपुर सिकिल, भागलपुर । (ii) संयाल परगना सिकिल, देवघर । (iii) पूर्णिया-सहरसा सिकिल, पूर्णिया (राजस्व जिला, सहरसा के बख्तियारपुर पुलिस स्टेशन को छोड़कर) ।
5.	रांची . . .	(i) रांची सिकिल, रांची । (ii) विशेष सिकिल, रांची । (iii) बेतन सिकिल, रांची । (iv) विशेष सम्पदा-शुल्क एवं आयकर कार्यालय, रांची । (v) पलामु सिकिल डाल्टेनगंज । (vi) सिंहभूम सिकिल के क, ग और घ वार्ड, जमशेदपुर । (vii) बेतन सिकिल, जमशेदपुर ।
6.	धनबाद . . .	(i) धनबाद सिकिल, धनबाद । (ii) कोलियारी सिकिल, धनबाद । (iii) बोकारो सिकिल, बोकारो स्टील नगर, बोकारो । (iv) सिंहभूम, सिकिल का ख-वार्ड, जमशेदपुर ।

जहां इस अधिसूचना द्वारा कोई आयकर सिकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरे रेंज को अन्तर्गत हो गया हो वहां उस आयकर सिकिल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में निष्कारणों के परिणाम स्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के अपीली सहायक आयुक्त के समक्ष लम्बित थीं, जिससे वह आयकर सिकिल, वार्ड और जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सिकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, अपीली सहायक आयुक्त को अन्तर्गत कर दी जाएंगी और उनके संबंध में कार्यवाही उस अपीली सहायक आयुक्त द्वारा की जाएगी ।

यह अधिसूचना 24 अक्टूबर, 1969 से प्रभावी होगी ।

स्पष्टीकारक टिप्पणः

यह संशोधन अपीली सहायक आयुक्त पटना, क और ख रेंज, और धनबाद भागलपुर रेंजों की अधिकांशता में पुनर्गठन के कारण आवश्यक हो गया है ।

(यह टिप्पण अधिसूचना का अंग नहीं है किन्तु केवल स्पष्टीकरण के लिए प्रायचित है ।)

[सं० 144 (फा० संख्या 50/36/69-आई टी जे)]

S.O. 292.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in this behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following further amendments in the Schedule appended to its notification No. 12 (F. No. 50/7/66-ITJ), dated 14th January 1966 as amended from time to time namely:—

In the said Schedule against—

I. 'M'-Range, Calcutta, following shall be substituted—

1. Dist. II(2), Calcutta.
2. Special Survey Circle-IX, Calcutta.
3. Special Survey Circle-II, Calcutta.
4. Murshidabad.

II. 'F'-Range, Calcutta, following shall be substituted—

1. Dist. I(I), Calcutta.
2. Special Survey Circle-VII, Calcutta.

III. 'L'-Range, Calcutta, following shall be substituted—

1. Companies District-I (A to E-Wards).

This notification shall take effect from 25th October, 1969.

Explanatory Note:

The amendment has become necessary on account of abolition of 'Z'-Range, Calcutta and consequent re-allocation of the AACs' jurisdiction in West Bengal Charge.

(This note does not form part of the notification but is intended to be merely clarification).

[No. 145 (F. No. 50/46/69-ITJ.)]

एत० नो० 292 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, समय समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 12 (फ० सं० 50/7/66—आई-टी-जे) तारीख 14-1-66 से संलग्न अनुसूची में 4334 एतद्वारा और आगे निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अनुसूची के सामने:

I 'ड'—रेंज कलकत्ता, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा :—

1. जिला II (2), कलकत्ता ।
2. विशेष सर्वेक्षण सर्किल—IX कलकत्ता ।
3. विशेष सर्वेक्षण सर्किल—II, कलकत्ता ।
4. मुर्शिदाबाद ।

II. 'च'—रेंज, कलकत्ता, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा :—

1. जिला I (I), कलकत्ता ।
2. विशेष सर्वेक्षण सर्किल—VII, कलकत्ता ।

III. 'ठ'—रेंज कलकत्ता, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा :—

1. कंपनी जिला I (क से ड वार्ड) ।

यह अधिसूचना 25 अक्टूबर, 1969 से प्रभावी होगी ।

स्पर्धीकरण टिप्पणी:

यह संशोधन 'य' रेंज कलकत्ता के उत्सादन और पश्चिमी बंगाल भार-साधन में सहायक अपीली आयुक्तों की अधिकारिता के पूर्व-आव्रंटन के परिणामस्वरूप आवश्यक हो गया है।

(यह टिप्पण अधिसूचना का अंग नहीं है किन्तु केवल स्पर्धीकरण के लिये आशयित है)

[सं० 145 (फा० सं० 56/46/69-आई टी जे)]

New Delhi, the 1st November 1969

S.O. 293.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in column 1 of the Schedule below, shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in column 2 thereof:

SCHEDULE

Range	Income-tax Circle, Wards and Districts
1	2
Poona Range—I, Poona . . .	<ol style="list-style-type: none"> 1. B—Ward, Poona. 2. D—Ward, Poona. 3. Addl. D—Ward, Poona. 4. C—Ward, Poona. 5. Addl. G—Ward, Poona. 6. Central Circle, Poona. 7. Wealth-tax Circle, Poona. 8. Special Investigation Circle, Poona. 9. K—Ward, Poona. 10. Collection—I, Poona. 11. Companies Circle, Poona. F 12. Addl. Companies Circle, Poona.
Poona Range—II, Poona . . .	<ol style="list-style-type: none"> 1. Special Survey Circle, Poona. 2. Addl. Special Survey Circle, Poona. 3. A—Ward, Poona. 4. Addl. A—Ward, Poona. 5. C—Ward, Poona. 6. Addl. C—Ward, Poona. 7. E—Ward, Poona. 8. Addl. E—Ward, Poona. 9. F—Ward, Poona. 10. Addl. F—Ward, Poona. 11. H—Ward, Poona. 12. J—Ward, Poona. 13. Addl. J—Ward, Poona. 14. L—Ward, Poona. 15. Salaries & Refund Circle, Poona. 16. GHQ Income-tax Circle, Poona. 17. Collection II, Poona.
Kolhapur Range, Kolhapur . . .	<ol style="list-style-type: none"> 1. A—Ward, Kolhapur. 2. B—Ward, Kolhapur. 3. C—Ward, Kolhapur. 4. D—Ward, Kolhapur. 5. E—Ward, Kolhapur. 6. F—Ward, Kolhapur. 7. Recovery Circle, Kolhapur. 8. Ratnagiri. 9. A—Ward, Satara. 10. —Ward, Satara.

1

2

Nasik Range, Nasik	<ol style="list-style-type: none"> 1. A—Ward, Nasik. 2. B—Ward, Nasik. 3. C—Ward, Nasik. 4. D—Ward, Nasik. 5. E—Ward, Nasik. 6. A—Ward, Malegaon. 7. B—Ward, Malegaon. 8. A—Ward, Dbulja. 9. B—Ward, Dbulja.
Sholapur Range, Sholapur	<ol style="list-style-type: none"> 1. A—Ward, Sholapur. 2. B—Ward, Sholapur. 3. C—Ward, Sholapur. 4. D—Ward, Sholapur. 5. A—Ward, Sangli. 6. B—Ward, Sangli. 7. C—Ward, Sangli. 8. D—Ward, Sangli. 9. Latur. 10. A—Ward, Nanded. 11. B—Ward, Nanded.
Jalgaon Range, Jalgaon	<ol style="list-style-type: none"> 1. A—Ward, Jalgaon. 2. B—Ward, Jalgaon. 3. C—Ward, Jalgaon. 4. Khamgaon. 5. A—Ward, Yeotmal. 6. B—Ward, Yeotmal.
Akola Range, Akola	<ol style="list-style-type: none"> 1. Special investigation Circle, Akola. 2. A—Ward, Akola. 3. B—Ward, Akola. 4. C—Ward, Akola. 5. Central Circle, Akola. 6. B—Ward, Amravati. 7. D—Ward, Amravati.
Amravati Range, Amravati	<ol style="list-style-type: none"> 1. A—Ward, Amravati. 2. C—Ward, Amravati. 3. A—Ward, Wardha. 4. B—Ward, Wardha. 5. C—Ward, Wardha.
Aurangabad Range, Aurangabad	<ol style="list-style-type: none"> 1. A—Ward, Aurangabad. 2. B—Ward, Aurangabad. 3. C—Ward, Aurangabad. 4. A—Ward, Aurangabad. 5. B—Ward, Ahmednagar.
Thana Range, Thana	<ol style="list-style-type: none"> 1. A—Ward, Thana. 2. Addl. A—Ward, Thana. 3. B—Ward, Thana. 4. C—Ward, Thana. 5. D—Ward, Thana. 6. E—Ward, Thana. 7. F—Ward, Thana. 8. G—Ward, Thana. 9. Special Survey Circle, Thana. 10. Addl. Special Survey Circle, Thana. 11. Recovery Circle— I, Thana.

1

2

12. Recovery Circle II, Thana.
13. Recovery Circle III, Thana.
14. Palghar.
15. A—Ward, Panvel.
16. B—Ward, Panvel.
17. C—Ward, Panvel.

When an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one range to another range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date of this notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred:

This notification shall take effect from 1st November, 1969.

Explanatory Note:

The amendments have become necessary on account of re-allocation of work amongst the A.A.Cs. in the Commissioner's charge.

(This note does not form a part of the notification, but is intended to be merely clarificatory).

[No. 147 (F. No. 50/49/69-ITJ).]

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1969

ए० ओ० 293:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त अपने को समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध की सभी पूर्ण अधिसूचनाओं को अधिष्ठात करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निवेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट रेंजों के अग्रीली सहायक आयकर आयुक्त उन सभी व्यक्तियों के और उस आय के संबंध में अपने कृत्यों का पालन करेंगे जो उस अनुसूची के स्तम्भ 2 की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सिकिलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकार के लिए निर्धारित हुए हैं।

अनुसूची

रेंज	आयकर सिकिलें, वार्ड और जिला
1	2
पूना रेंज—I पूना।	<ol style="list-style-type: none"> 1. ख—वार्ड, पूना। 2. घ—वार्ड, पूना। 3. अतिरिक्त, घ—वार्ड, पूना। 4. छ—वार्ड, पूना। 5. अतिरिक्त, छ—वार्ड, पूना। 6. केन्द्रीय सिकिल, पूना। 7. घन—कर सिकिल, पूना।

1

2

पूना.रेंज—II,
पूना ।

8. विशेष अन्वेषण सर्किल, पूना ।
9. ट—वार्ड, पूना ।
10. संग्रह—I, पूना ।
11. कम्पनी सर्किल, पूना ।
12. अतिरिक्त कम्पनी सर्किल, पूना ।

1. विशेष सर्वेक्षण सर्किल, पूना ।
2. अतिरिक्त विशेष सर्वेक्षण सर्किल, पूना ।
3. क—वार्ड, पूना ।
4. अतिरिक्त क—वार्ड, पूना ।
5. ग—वार्ड, पूना ।
6. अतिरिक्त ग—वार्ड, पूना ।
7. ङ—वार्ड, पूना ।
8. अतिरिक्त ङ—वार्ड, पूना ।
9. च—वार्ड, पूना ।
10. अतिरिक्त च—वार्ड, पूना ।
11. ज—वार्ड, पूना ।
12. झ—वार्ड, पूना ।
13. अतिरिक्त झ—वार्ड, पूना ।
14. ठ—वार्ड, पूना ।
15. वेतन और प्रतिदाय सर्किल, पूना ।
16. जी एच क्यू आयकर सर्किल, पूना ।
17. संग्रह II पूना ।

कोल्हापुर रेंज, कोल्हापुर ।

1. क—वार्ड, कोल्हापुर ।
2. ख—वार्ड, कोल्हापुर ।
3. ग—वार्ड, कोल्हापुर ।
4. घ—वार्ड, कोल्हापुर ।
5. ङ—वार्ड, कोल्हापुर ।
6. च—वार्ड, कोल्हापुर ।
7. वसूली सर्किल, कोल्हापुर ।
8. रत्नागिरि ।
9. क—वार्ड, सतारा ।
10. ख—वार्ड, सतारा ।

नासिक रेंज, नासिक ।

1. क—वार्ड, नासिक ।
2. ख—वार्ड, नासिक ।
3. ग—वार्ड, नासिक ।
4. घ—वार्ड, नासिक ।
5. ङ—वार्ड, नासिक ।

1	2
	6. क—वार्ड, मालेगांव । 7. ख—वार्ड, मालेगांव । 8. क—वार्ड, धुलिया । 9. ख—वार्ड, धुलिया ।
शोलापुर रेंज, शोलापुर ।	1. क—वार्ड, शोलापुर । 2. ख—वार्ड, शोलापुर । 3. ग—वार्ड, शोलापुर । 4. घ—वार्ड, शोलापुर । 5. क—वार्ड, सांगली । 6. ख—वार्ड, सांगली । 7. ग—वार्ड, सांगली । 8. घ—वार्ड, सांगली । 9. लातूर । 10. क—वार्ड, नान्देड । 11. ख—वार्ड, नान्देड ।
जलगांव रेंज, जलगांव ।	1. क—वार्ड, जलगांव । 2. ख—वार्ड, जलगांव । 3. ग—वार्ड, जलगांव । 4. खामगांव । 5. क—वार्ड, यवतमाल । 6. ख—वार्ड, यवतमाल ।
अकोला रेंज, अकोला ।	1. विशेष अन्वेषण सर्किल, अकोला । 2. क—वार्ड, अकोला । 3. ख—वार्ड, अकोला । 4. ग—वार्ड, अकोला । 5. केन्द्रीय सर्किल, अकोला । 6. ख—वार्ड, अमरावती । 7. घ—वार्ड, अमरावती ।
अमरावती रेंज, अमरावती ।	1. क—वार्ड, अमरावती । 2. ग—वार्ड, अमरावती । 3. क—वार्ड, वर्धा । 4. ख—वार्ड, वर्धा । 5. ग—वार्ड, वर्धा ।
औरंगाबाद रेंज, औरंगाबाद ।	1. क—वार्ड, औरंगाबाद । 2. ख—वार्ड, औरंगाबाद । 3. ग—वार्ड, औरंगाबाद ।

1

2

थाना रेंज, थाना ।

4. क—वार्ड, अहमदनगर ।
5. ख—वार्ड, अहमदनगर ।
1. क—वार्ड, थाना ।
2. अतिरिक्त क—वार्ड, थाना ।
3. ख—वार्ड, थाना ।
4. ग—वार्ड, थाना ।
5. घ—वार्ड, थाना ।
6. ङ—वार्ड, थाना ।
7. च—वार्ड, थाना ।
8. छ—वार्ड, थाना ।
9. विशेष सर्वेक्षण, सकिल, थाना ।
10. अतिरिक्त विशेष सर्वेक्षण सकिल, थाना ।
11. वसुली सकिल—I, थाना ।
12. वसुली सकिल—II, थाना ।
13. वसुली सकिल—III, थाना ।
14. पालघर ।
15. क—वार्ड, पानवेल ।
16. ख—वार्ड, पानवेल ।
17. ग—वार्ड, पानवेल ।

जहाँ कि इस अधिसूचना द्वारा कोई आयकर सकिल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरे रेंज को अन्तर्गत हो गया हो वहाँ उस आयकर सकिल वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में निर्धारणों के परिणाम स्वरूप की गई अपीलें जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के अपीली सहायक आयकर आयुक्त के समक्ष लम्बित थीं, जिससे वह आयकर सकिल, या वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिस को उक्त सकिल वार्ड या जिला या उस का कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, अपीली सहायक आयुक्त को अन्तर्गत कर दी जाएंगी और उनके संबंध में कार्यवाही उक्त अपीली सहायक आयुक्त द्वारा की जाएगी ।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1969 से प्रभावी होगी ।

स्पष्टीकरण टिप्पण :

आयुक्त के भार साधन क्षेत्र में अपीली सहायक आयुक्तों के बीच कार्यों के पुनर्वितरण के कारण संशोधन करना आवश्यक हो गया ।

(उपर्युक्त टिप्पण अधिसूचना का अंग नहीं है किन्तु केवल स्पष्टीकरण के लिए आशयित है)

[सं० 147(फ० सं० 50/49/69-प्रार्थी टी जे).]

S.O. 294.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and all other powers enabling it in that behalf the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments in the schedule appended to its Notification No. 57 (F. No. 50/38/69-ITJ) dated the 27th May, 1969, namely :

In the said schedule against E-Range, G-Range, J-Range, K-Range, L-Range and M-Range, Bombay, under column 2 the following shall be substituted :

E-Range, Bombay—D-I Ward and A-III Ward.

G-Range, Bombay—B-I, A-I and A-II Wards.

J-Range, Bombay—Company Circles III(I) to III(12) Itos. charge.

K-Range, Bombay—C-I Ward.

L-Range, Bombay—B-III Ward and E Ward.

M-Range, Bombay—Bombay Suburban District (East).

This Notification shall take effect from 1st November, 1969.

Explanatory Note:

The amendment has become necessary on account of re-allocation of work amount the AACs. in the CIT's charge.

(The above note does not form part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. F. 149 (F. No. 50/38/69-ITJ).]

Y. SINGH, Under Secy.

एस० ओ० 294 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, अपनी अधिसूचना सं० 57 (फा० सं० 50/38/69-आई टी जे) तारीख 27 मई, 1969 से संलग्न अनुसूची में एनद्वाग निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :-

उक्त अनुसूची में स्तंभ 2 के अन्तर्गत ड—रेंज, छ—रेंज, झ—रेंज, र—रेंज, ट—रेंज, और ड—रेंज, मुंबई के सामने निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

ड—रेंज, मुंबई ।

ध—I वार्ड और क III वार्ड

छ—रेंज, मुंबई ।

ख—I वार्ड, क—I और क—II वार्ड ।

झ—रेंज, मुंबई ।

कंपनी सर्किल III (I) से III (12) आयकर अधि-कारियों के भार साधन में ।

र—रेंज, मुंबई ।

ग—I वार्ड I

ट—रेंज, मुंबई ।

ख—II वार्ड और ड वार्ड ।

ड—रेंज, मुंबई ।

मुंबई उपनगर जिला (पूर्वी) ।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1969 को प्रवृत्त होगी ।

स्पष्टीकरण टिप्पण :

आयकर आयुक्त के भार साधन क्षेत्र में अपीली सहायक आयुक्तों के बीच कार्यों का पुनर्वितरण के कारण संशोधन करना आवश्यक हो गया ।

(उपयुक्त टिप्पण अधिसूचना का अंग नहीं है किन्तु केवल स्पष्टीकरण के लिए आशयित है) ।

[सं० 149 (फा० सं० 50/38/69-आई टी जे).]

वाई० सिंह, अवर सचिव ।

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 13th January 1970

S.O. 295.—Whereas the Central Government is of the opinion that the minimum rates of wages should be fixed under the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948) in respect of employment in magnesite mines covered under the Mines Act, 1952 (35 of 1952);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 27 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to add the said employment to Part I of the Schedule to the said Act.

Any suggestions or objections which may be received from any person in respect of the said addition before the 12th April, 1970 will be considered by the Central Government.

[No. 2(51)/67-LW.I(WE.)]

HANS RAJ CHHABRA, Under Secy.

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 13th January 1970

S.O. 296.—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 353, dated the 16th January, 1969, the Central Government hereby exempts the permanent and temporary employees of the Hindustan Antibiotics Limited, Pimpri, Poona, from the operation of the said Act, except Chapter VA, for a further period of one year with effect from the 16th January, 1970 upto and inclusive of the 15th January, 1971, subject to the following conditions, namely:—

- (i) that the aforesaid factory shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees; and
- (ii) that, notwithstanding this exemption such employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have qualified on the basis of contribution paid before the date of exemption.

[No. F. 6/80/69-HI.]

New Delhi, the 15th January 1970

S.O. 297.—Whereas the State Government of Assam, has in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri B. K. Bhuyan, Secretary to the Government of Assam, Labour Department, to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation in place of Shri S. J. Das;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2551 dated the 9th August, 1966, namely:

In the said notification, under the heading "(Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4)", for the entry against item 9, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri B. K. Bhuyan, Secretary to the Government of Assam, Labour Department, Shillong."

[No. F.3/2/69-HI.]

New Delhi, the 16th January 1970

S.O. 298.—Whereas the Central Government is satisfied that the employees of the Small Industries Service Institute, Industrial Estate, Okhla, New Delhi, belonging to the Central Government in the Ministry of Industrial Development

and Company Affairs, are in receipt of benefits substantially similar to the benefits provided under the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948);

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government, after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby exempts the above factory from all the provisions of the said Act for a further period of one year with effect from the 14th January, 1970 upto and inclusive of the 13th January, 1971.

[No. F.6(28)/69-HI.]

S.O. 299.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 693 dated the 12th February, 1969, the Central Government, having regard to the location of the factories, namely Machine Shop-cum-Tool Room, Calcutta-2 and the Chrome Tanning Extension Centre, Calcutta-46 in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said factories from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st January, 1970 upto and inclusive of the 31st December, 1970.

[No. F.6(89)/69-HI.]

New Delhi, the 17th January 1970

S.O. 300.—In pursuance of clause (a) of section 4 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby nominates Shri Jagjivan Ram, Minister for Food and Agriculture, Community Development and Co-operation and Labour, Employment and Rehabilitation, Government of India, to be the Chairman of the Employees State Insurance Corporation, and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2551 dated the 9th August, 1968, namely:—

In the said notification, under the heading "Chairman", for the entry against item 1, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri Jagjivan Ram, Minister for Food and Agriculture, Community Development and Co-operation and Labour, Employment and Rehabilitation, Government of India."

[No. F.3/2/69-HI.]

DALJIT SINGH, Under Secy.

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 13th January 1970

S.O. 301.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mahabir Colliery, Post Office Raniganj, District Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th January, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

REFERENCE No. 76 OF 1969

PARTIES:

Employers in relation to the management of Mahabir Colliery,

AND

Their workmen.

PRESENT:

Shri B. N. Banerjee, Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Sri Hari Nath Singh, Advocate.

On behalf of Workmen—Sri R. Das Gupta, Adviser.

STATE: West Bengal

INDUSTRY: Coal Mines

AWARD

By Order No. 6/59/69-LR. II dated September 12, 1969, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred the following industrial dispute between the management of Mahabir Colliery and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:

"Whether the management of Mahabir Colliery, Post Office Raniganj, District Burdwan, unjustifiably stopped Shri Bimal Muchi and Shri Balu Muchi, P/c Miners from services from 5th June 1969 and if so, to what relief they are entitled?"

2. No written statement was filed by any of the parties. At the hearing to-day, the parties filed a joint petition of compromise praying for disposal of the reference according to the terms contained therein. Now, that the dispute has been settled amicably, I pass an award in terms of the settlement. Let the petition of compromise form part of this award.

Dated, January, 5, 1970.

(Sd.) B. N. BANERJEE,
Presiding Officer.

BEFORE SHRI B. N. BANERJEE, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

In the matter of Reference No. 76 of 1969.

AND

In the matter of an industrial dispute.

BETWEEN

The employers in relation to the management of Mahabir Colliery, P.O. Raniganj, Burdwan.

AND

Their workmen represented by Colliery Mazdoor Sabha, Raniganj, Burdwan.
The humble petition of both the parties above named.

Most Respectfully Sheweth:

1. That the parties have amicably and jointly settled the dispute on the following terms and conditions:

- (a) Sarbasree Balu Muchi and Bimal Muchi, the concerned workmen, have been allowed to resume their duties on and from 28th August 1969.
- (b) The period of unemployment of the concerned workmen, shall be treated as leave without wages.
- (c) The employers shall pay to each of the concerned workmen, a sum of Rs. 50/- as an *exgratia* payment, within 7 days from date.

2. That the above mentioned dispute is hereby settled in terms of this agreement.

The petitioners, therefore, pray that the Honourable Tribunal may be pleased to accept the terms of this settlement and pass an Award accordingly and such other order or orders as may be considered fit and necessary.

And for this act of kindness, the petitioners as in duty bound shall ever pray.

Representing the Union

Representing the Employers

(Sd.) ROBIN CHATTERJEE

MAHABIR COLLIERIES LTD.

Vice-President
Colliery Mazdoor Sabha
Raniganj.

(Sd.) Illegible
Manager.

(Sd.) R. DAS GUPTA,

Adviser
Colliery Mazdoor Sabha
Raniganj.

Dated, 4th January 1970.

[No. 6/59/69-LR.II.]

New Delhi, the 14th January 1970

S.O. 302.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2), Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shantilal Khushaldas and Brothers Private Limited, Margao (Goa) and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th January, 1970.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2,
BOMBAY

REFERENCE No. CGIT-2/14 OF 1969

Employers in relation to M/s. Shantilal Khushaldas and Brothers Pvt. Ltd.
Margao

AND

Their Workmen.

PRESENT:

Shri N. K. Vani, Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the employers.—Shri G. V. Kerkar, Labour Officer, M/s. Shantilal Khushaldas & Bros. Pvt. Ltd., Goa

For the workmen.—Shri George Vaz, General Secretary, Goa Mining Labour Welfare Union.

INDUSTRY: Mining

STATE: Goa, Daman, and Diu

Dated the 3rd January 1970

AWARD

By Order No. 24/53/69-LR.IV dated 20th September 1969, the Central Government in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, (Department of Labour and Employment), in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of M/s. Shantilal Khushaldas and Brothers Pvt. Ltd., Margao (Goa) and their workmen in respect of the matter, set forth in the schedule mentioned below:—

“Whether the management of M/s. Shantilal Khushaldas and Brothers Private Limited, Margao is justified in their action in dismissing Shri J. F. Rodrigues the ex-workman employed as clerk-cum-Typist in Odomal Mines with effect from 20th November, 1968. If not, to what relief is the workman entitled?”

2. The facts giving rise to this reference are as follows:—

3. Shri J. F. Rodrigues was employed as a clerk-cum-typist in the service of M/s. Shantilal Khushaldas and Brothers Pvt. Ltd., Margao since 1960. It is alleged that he deliberately changed his leave records and increased the leave balance to his credit indiscriminately. On this allegation show cause notice was issued on 20th November 1968. It is as follows:—

“It has been noticed that you have deliberately changed your leave records and increased the leave balance to your credit indiscriminately.

You are therefore directed to show cause within 48 hours from the receipt of this letter as to why you should not be dismissed from service.

As the charges are of grave nature, you are kept under suspension with immediate effect, pending enquiry against you.”

4. On 23rd November 1968, Shri Rodrigues gave reply to the show cause notice. It is as follows:—

“To
The Director,
Shantilal K. & Bros. Pvt. Ltd.,
Margao.
Re:—Leave record.

Sir,

I am in receipt of your letter No. 36/3932/68 dated 20th November 1968 addressed to me on the above cited subject in rep'y I respectfully submit as under:

It is not true to say that I deliberately changed the leave record as stated in para. 1 of the said letter.

However, it is true that I was under impression that I could credit my leave of the current year and thus applied for and I enjoyed only after obtaining the sanction of the departmental head and thus it is clear that I did not commit any breach of the leave rules for which it does not warrant such a notice from your end.

In view of above it is prayed that the order served against me be cancelled for which act of kindness I shall ever be duty bound."

5. On 29th November, 1968, Dismissal order was sent to Shri J. F. Rodrigues by registered post. It is as follows:—

"Further to our Charge Sheet letter No. 36/3932/68 of 20th inst., and oral inquiry was held into the same on 28th instant.

During the course of the inquiry the charges have been conclusively proved against you and also you have admitted the same.

As the charges are of serious nature management can no longer repose confidence in you and as such you have been dismissed from services with immediate effect.

You are, therefore, directed to approach accounts section for settlement of your dues, if any."

6. After the dismissal of Shri Rodrigues, he raised an industrial dispute before the Assistant Labour Commissioner (C), Vasco-de-gama vide his letter of 2nd May, 1969, under Section 2A of the Industrial Disputes Act, 1947, stating that he was wrongly dismissed from service with effect from 20th November, 1968. Thereupon, conciliation proceedings were held but the dispute could not be settled amicably. These proceedings ended in failure. Hence the Assistant Labour Commissioner (C), Vasco-de-gama sent the failure of conciliation report to the Central Government. On the receipt of this report, this dispute was referred to this Tribunal for adjudication.

7. After the receipt of this reference notices were sent to the parties to file their written statements.

8. M/s Shantilal Khushaldas & Brothers Pvt. Ltd., Margao (hereinafter referred to as 'the company') has filed written statement on 18th November, 1969.

9. According to the company, this court has no jurisdiction to entertain and adjudicate upon the present reference in as much as the appropriate Government for the purpose of this reference is not the Central Government as defined in Section 2(a) of the Industrial Disputes Act, 1947 and hence the present reference is bad in law and should be rejected. On merit, the dismissal of Shri J. F. Rodrigues from 20th November, 1968, is justified and he is not entitled to any relief in this case.

10. Shri J. F. Rodrigues (hereinafter referred to as the 'affected workman') has filed written statement on 20th October, 1969, Ex. 1/W. According to him, he had only taken leave as sanctioned by the Mines Manager in the Leave Register maintained at the Odomol Mines. The Mines Manager Shri Lawande sanctioned the leave asked for, and countersigned the sanctioned leave in the Leave Register maintained at the Odomol Mine. This Leave Register has been examined by the Assistant Labour Commissioner (Central), Vasco-de-gama during the course of conciliation. He has countersigned the Leave Register in token of his having seen it.

11. According to the affected workman, there was no attempt to falsify or change the Leave Register. This was done with the knowledge of the Mine's Manager. His entitled leave for the year 1968 was added to privilege leave as per rule in Chapter VII of the Mines Act, 1952. Standing Orders, regarding leave apply to the company and its employees. He had applied for privilege leave from 13th November, 1968 to 16th November, 1968 both days inclusive. The Mine's Manager sanctioned this leave on the Leave Register maintained for that purpose after satisfying himself that the same was to his credit.

12. According to the affected workman, he was working at the Harvalam Mine of the company in the year 1966-1967. He was transferred to Odomol Mine on 30th January, 1968. It is a prevalent practice to credit leave of the current year to the privilege leave due for that year. He had used privilege leave sanctioned for the year 1967, during the year 1967. He had only 3 days privilege leave left as due when he was transferred to the Odomol Mine. Consistent with this prevailing practice, on his transfer to Odomol Mine, he added privilege leave due for

1968 to the privilege leave due for the current year. The nature of his work was to look after monthly paysheets, office correspondence, typing work, register of Staff and leave registers of the employees.

13. According to the affected workman, he has not done anything unusual in adding his privilege leave for the year 1968 to the privilege leave for the current year 1968. On this understanding the Mine's Manager at Odamol sanctioned his privilege leave for the year 1968. His dismissal on the ground of changing leave record is not justified. It is *mala fide* and with the intention to get rid of him, as he enrolled workmen for the Goa Mining Labour Welfare Union and because the workmen were getting organised and forming a trade union.

14. According to the affected workman, the charge levelled against him does not mention what particular provision of standing orders was infringed by him. The dismissal letter does not also mention the provision of the standing order, infringed by him. He never admitted his guilt in oral inquiry. He however stated that he added privilege leave for 1968, as per prevailing practice in the company. His dismissal was against the principles of natural justice and with a view to victimise him. He be reinstated with continuity of service and back wages. The company be also directed to pay him adequate compensation for the wrongful dismissal.

15. The preliminary point for consideration is whether this Tribunal has jurisdiction to entertain the reference and to adjudicate the dispute in question.

16. My finding on this point is in the affirmative for the following reasons:—

17. At the outset it may be noted that Shri J. F. Rodrigues has filed affidavit at Ex. 5/W to prove certain facts and the General Secretary, Goa Mining Labour Welfare Union has filed rejoinder at Ex. 6/W for and on behalf of the affected workman.

18. Shri Gajanan Vishwambhar Kerkar, Labour Officer of the company has filed counter affidavit at Ex. 7/E.

19. The facts as emerged from the affidavit of the affected workman are as follows:—

20. The company has mines at Nelca, Odamol, Tatodi, Arvalem, Cudnem, Curmelem, Nanora, Betul and Asnir. All these mines are open cast workings. It has got Head Office at Margao, Goa. It is an Administrative office. It has got no administrative office at the Mine. The office work at the Mine is directly under the Mine's Manager and it concerns with mine.

21. The affected workman was working as clerk-cum-typist directly under the Mine's Manager at Melca Mine, Arvalem Mines and lastly Odamol Mine. He was to attend the duties assigned by the Mine's Manager concerning the mine, within the precincts of the mine. He never worked in the Administrative office at Margao. Under letter dated 24th January, 1968, the affected workman was transferred from Arvalem Mine to Odamol Mine (vide Office letter No. 36/5381/68 dated 24th January, 1968). This letter is as follows:

"You are hereby informed that your services have been transferred to Odamol Mine".

While working on the said Odamol Mine, the affected workman was dismissed from the company's services by letter No. 36/4092/68 dated 29th November, 1968.

22. The counter affidavit of Shri Kerkar, Labour Officer of the company shows as follows:—

"Shri J. F. Rodrigues i.e. the affected workman, was a Clerk-cum-Typist. He was never connected with the mining operations carried on in the open cast mines or with any mining process ancillary to the getting of the minerals in the mine. He was required to work only in the Mine's office situated on the surface of the mine. His work was not confined within the precincts of a mine. Mine's office where he was working was outside the mining operation".

23. According to Shri Kerkar, the affected workman was not assigned duties at various mines. His duties were not concerning a mine. He was working in the office of a mine. He was not in any way connected with mining operation or in cleaning or oiling any part of mining machinery in or about a mine, or given any kind of work whatsoever incidental to or connected with mining operation or with open cast working of the mine.

24. Shri Kerkar, Labour Officer of the company contends that this Court has no jurisdiction to entertain the present reference in as much as the appropriate Government for the purpose of this reference is not the Central Government as defined in Section 2(a) of the Industrial Disputes Act, 1947. In support of this contention, he relies upon the following rulings:—

- (i) 1965, LLJ(II), page 302 (Khas Jeenagora Coal Company (Pvt.) Ltd. and Salim M. Merchant and another) and
- (ii) 1962, LLJ(I), page 450 (Serajuddin and Co., V. Their workmen).

25. Shri George Vaz, General Secretary, Goa Mining Labour Welfare Union for and on behalf of the affected workman on the other hand says that the Central Government is the appropriate Government for making reference to this Tribunal, that this Tribunal has jurisdiction to entertain this reference and that the two rulings relied upon by the company do not apply to the facts of the present case.

26. Section 2(a) of the Industrial Disputes Act, 1947 is as follows:—

“(a) ‘Appropriate Government’ means—

- (i) in relation to any industrial dispute concerning any industry carried on by or under the authority of the Central Government or by a railway company or concerning any such controlled industry as may be specified in this behalf by the Central Government or in relation to any industrial dispute concerning the Employees’ State Insurance Corporation established under Section 3 of the Employees’ State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) or the Indian Air Lines and Air India Corporations established under Section 3 of the Air Corporation Act, 27 of 1953 or, the Agricultural Refinance Corporation established under Section 3 of the Agricultural Refinance Corporation Act, 1963 (10 of 1963) or the Deposit Insurance Corporation established under Section 3 of the Deposit Insurance Corporation Act, 1961 or the Unit Trust of India established under Section 3 of the Unit Trust of India Act, 1963 or a banking or an insurance company, a mine, an oilfield, a Cantonment Board, or a major port, the Central Government; and

(ii) in relation to any other industrial dispute, the State Government.”

27. It is clear from the above provisions of the Industrial Disputes Act, 1947, that the Central Government is the ‘Appropriate Government’ in relation to an industrial dispute concerning a mine.

28. Section 2(k) of the Industrial Disputes Act, 1947 is as follows:—

“(k) ‘Industrial dispute’ means any dispute or difference between employers and employers or between employers and workmen or between workmen and workmen, which is connected with the employment or non-employment or the terms of employment or with the conditions of labour of any person;”

29. In the present case the dispute is between the affected workman of the company and the company, regarding the dismissal of the workman. This is, therefore, an industrial dispute within the meaning of section 2(k) of the Industrial Disputes Act, 1947.

30. The company in question has mines at several places. It exports mineral ores. The affected workman was working as a clerk-cum-typist in the company.

31. If the present industrial dispute (regarding the dismissal of the affected workman) between the company and the affected workman relates to a mine, the Central Government would be the appropriate Government for making reference to the Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

32. This reference has been admittedly made by the Central Government but the company contends that the present industrial dispute does not relate to a mine.

33. The definition of mine has been given in Section 2(i)(i) of the Mines Act, 1952. It is as follows:—

“(j) ‘mine’ means any excavation where any operation for the purpose of searching for or obtaining minerals has been or is being carried on and includes—

- (i) all borings, bore holes and oil wells;

- (ii) all shafts in or adjacent to and belonging to a mine, whether in the course of being sunk or not;
- (iii) all levels and inclined planes in the course of being driven;
- (iv) all open cast workings;
- (v) all conveyors or aerial ropeways provided for the bringing into or removal from a mine of minerals or other articles or for the removal of refuse therefrom;
- (vi) all adits, levels, planes, machinery, works, railways, tramways and sidings in or adjacent to and belonging to a mine;
- (vii) all workshops situated within the precincts of a mine and under the same management and used solely for purposes connected with that mine or a number of mines under the same management;
- (viii) all powers stations for supplying electricity solely for the purpose of working the mine or a number of mines under the same management;
- (ix) any premises for the time being used for depositing refuse from a mine or in which any operation in connection with such refuse is being carried on, being premises exclusively occupied by the owner of the mine;
- (x) unless exempted by the Central Government by notification in the Official Gazette, any premises or part thereof, in or adjacent to and belonging to a mine, or which any process ancillary to the getting, dressing or preparation for sale of minerals or of coke is being carried on;"

34. Section 2(1)(kk) of the Mines Act, 1952 defines open cast working. It is as follows:—

"(kk) 'open cast working' means a quarry, that is to say, an excavation where any operation for the purpose of searching for or obtaining minerals has been or is being carried on, not being a shaft or an excavation which extends below superjacent ground;"

35. Section 2(1)(k) of the Mines Act, 1952, defines office of the mine. It is as follows:—

"(k) 'office of the mine' means an office at the surface of the mine concerned;"

36. Shri George Vaz for the affected workman contends that the affected workman was a mine worker, working directly under the Mine's Manager at the Odamol Mine and that he was attached to the Mine's Manager for the proper working of the mine. He further contends that the office of the Mine's Manager is not an administrative office and that it is connected with the working of the mine.

37. Shri Kerkar, Labour Officer of the company, on the other hand says that the affected workman was never connected with the mining operations carried on in the open cast mine or with any mining process ancillary to the getting of the minerals in the mine, but he was required to work only in the mine's office, situated on the surface of the mine. He also contends that the affected workman's work was not confined within the precincts of the mine.

38. In my opinion the contention raised by Shri Kerkar that the affected workman was not a mine worker cannot be accepted. The affected workman's affidavit clearly proves that he was working as a clerk-cum-typist under the Mine's Manager at various mines and that he used to attend the duties, assigned to him, by the Mine's Manager, concerning the mine within the precincts of the mine. I see no reason to disbelieve the affidavit of the affected workman. It is quite natural and consistent. It is trustworthy.

39. The transfer order referred to in the affidavit of the affected workman clearly shows that his services were transferred to Odamol Mine from where he was dismissed. Shri Kerkar has not specifically mentioned in his affidavit Ex. 7/E that the transfer order referred to by the affected workman in his affidavit is not correct. There is therefore no reason to disbelieve the affected workman's affidavit on the point that his services were transferred to Odamol Mine. In the Conciliation proceedings before the Assistant Labour Commissioner (C) Vasco-de-gama the company had not contended that the affected

workman was not a mine worker. This circumstance also lends support to the affected workman's case that he was a mine worker.

40. Shri Kerkar contends that the affected workman was required to work in mine's office, situated on the surface of the mine.

41. Section 2(1)(j)(x) of the Mines Act, 1952 referred to above shows that 'mine' includes, unless exempted by the Central Government by notification in the official Gazette, any premises or part thereof, in or adjacent to and belonging to mine, on which any process ancillary to the getting, dressing or preparation for sale of minerals or of coke is being carried on. In view of this definition, the office of the mine situated on the surface of the mine will be a mine. Hence the affected workman working in this office will be a mine worker. Admittedly he was not working in the head office of the company at Margao (Goa) which is an administrative office.

42. Section 2(1)(k) of the Mines Act, 1952 defines office of the mine as an office at the surface of the mine concerned. Office of the mine at the surface of the mine is a premises in or adjacent to and belonging to the mine, on which any process ancillary to the getting, dressing or preparation for sale of minerals or of coke is being carried on. Considering the definition of the mine as given in Section 2(1)(j)(x) and office of the mine as given in Section 2(1)(k) of the Mines Act, 1952, I am of the view that the affected workman was a mine worker.

43. The two cases relied upon by Shri Kerkar do not apply to the facts of the present case which I am deciding.

44. In the case of Serajuddin and Co., V. Their workmen, 1952 (1), LLJ, page 450, the dispute related to the head office of the company situated in Calcutta. It was held that the head office of the company at Calcutta was not a mine and industrial dispute between the company and its employees engaged in the head office at Calcutta was not an industrial dispute concerning a mine.

45. In the present case, which I am deciding, the dispute is between the employee working in the mine and the company and not between the employee working in the head office at Margao (Goa) and the company.

46. In the case reported in 1965(II), LLJ, Page 302, the dispute related to non-employment of a person employed as a watchman or as a peon in the Bungalow of the Director of a company owning a mine. It was held:

Unless it was shown that on these premises (bungalow of the director) any process ancillary to the getting of the minerals was being carried on within the meaning of the definition of 'mine' in Section 2(j)(x) of the Mines Act, 1952, the said premises would not be a 'mine' as defined in S.2(j) of the Mines Act, 1952. The concerned worker could not be said to be a person working or employed in or in connection with a mine. The fact that at the bungalow a skeleton staff was maintained for maintaining certain accounts of the mine would not amount to carrying on any process ancillary to the getting of minerals. Hence the industrial dispute in the instant case did not concern a mine....."

47. In the present case, which I am deciding the affected workman's affidavit proves that he was working as a clerk-cum-typist directly under the Mine's Manager, that he was to attend the duties assigned by the Mine's Manager concerning the mine, within the precincts of the mine and that he never worked in the administrative office at Margao (Goa).

48. Sub-section (2) of Section 2 of the Mines Act, 1952 is as follows:—

"(2) A person working or employed in or in connection with a mine is said to be working or employed—

(a) 'below ground' if he is working or employed

(i) in a shaft which has been or is in the course of being sunk; or

(ii) in any excavation which extends below superjacent ground; and

(b) 'above ground' if he is working in an open cast working or in any other manner not specified in clause (a)."

49. It is clear from the affected workman's affidavit that all the mines of the company are open cast working and that he performs the duties concerning a mine. It can be said that he is a person working or employed above the ground

in connection with the mine. Hence the ruling reported in 1965(II), LLJ, Page 302, does not apply to the present case.

50. In short, believing the affidavit of the affected workman that he was attending the duties assigned by the Mine's Manager, concerning a mine, within the precincts of the mine and that he never worked in the Head Office of the company at Margao and that under transfer order referred to above his services were transferred to Odamol Mine (from where he was dismissed), I hold that he was a mine worker.

51. For the reasons given above I hold that the present industrial dispute relates to a mine and that the Central Government is the appropriate Government to refer this dispute to this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947. This Tribunal has therefore jurisdiction to adjudicate the dispute. I, therefore, pass the following order:—

ORDER

- (i) This Tribunal has jurisdiction to adjudicate this dispute.
- (ii) Reference is fixed for hearing on merit.
- (iii) Award Part I is made accordingly.

(Sd.) N. K. VANI,
Presiding Officer,

Central Govt., Industrial Tribunal No. 2,
Bombay-1.

[No. 24/53/69-LR-IV.]

New Delhi, the 15th January 1970

S.O. 303.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Samla Dalurband Colliery, Post Office Pandaveshwar, District Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th January, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA.

REF. No. 80 OF 1969

PARTIES:

Employers in relation to the management of Samla Dalurband Colliery.

AND

Their workmen.

PRESENT:

Shri B. N. Banerjee—Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Sri P. Burman, Advocate.

On behalf of Workmen—Absent.

STATE: West Bengal

INDUSTRY: Coal Mines.

AWARD

By Order No. 6/60/69-LR-II, dated September 17, 1969, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, (Department of Labour and Employment), referred the following industrial dispute between the employers in relation to the management of Samla Dalurband Colliery and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:

“Whether the management of Samla Dalurband Colliery, Post Office Pandaveshwar, District Burdwan was justified in terminating the services of Shri Jitan Singh and Shri Radha Singh, Chaprasis with effect from 7th April, 1969 and if not, to what relief they are entitled?”

2. The management did not file any written statement nor did they appear on the date fixed for settlement of a date of hearing. The workmen represented by Khan Shramik Congress union filed a written statement. Benarashi Azad, General Secretary of the Congress also appeared on the date fixed for settlement of a date of hearing. To-day, however, the trade union did not appear before this Tribunal. The management was represented by Mr. P. Burman, Advocate. He filed three applications marked respectively Exts. 1, 2 and 3. The first application is for a 'no dispute' award by Jitan Singh, Chaprasi on the ground that he has already been re-employed without any break in his service. The second application is on behalf of Radha Singh, Chaprasi making similar prayer on the same ground. The third application is on behalf of the management asking for a 'no dispute' award on the same ground. The above three applications were proved by Ajit Kumar Ghosh, an employee of the management.

3. Now, that the parties have settled the dispute amongst themselves and prayed for a "no dispute" award, I grant the prayer and pass a "no dispute" award in the matter. Let the three applications form part of this award.

Sd./- B. N. BANERJEE,
Presiding Officer.

Dated, January 8, 1970.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, AT
CALCUTTA.

IN REF. NO. 80 OF 1969

Employers in relation to Samla Dalurband Colliery.

AND

Their Workmen

Petition by the Workman

The humble petitioner, who is one of the Workmen, directly involved in the above dispute begs to state most respectfully:

1. That the petitioner is working in the above-named Colliery since September, 1969 as a Chaprasi and with the same service conditions as applicable to other Chaprasis.
2. That the petitioner, has been in continuous employment in the colliery since that time without any break in the service.
3. That the dispute above-noted has therefore been mutually composed between the Petitioner and the employer and the petitioner has no further claim against the employer in this regard.
4. That the petitioner has no longer any dispute with the management, regarding the subject of reference.
5. That the Hon. Tribunal may be pleased to hold that the above dispute has ceased to exist and pass order accordingly.

And for this the petitioner shall ever pray.

Dated, the 6th January 1970.

Thumb impression of Jitan Singh,
Chaprasi
Samla Dalurband Colliery.

Attested by
(Sd.) RADHA SINGH
Sd./- AJIT KUMAR GHOSH.
6-1-70

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, AT
CALCUTTA.

IN REF. NO. 80 OF 1969

Employers in relation to Samla Dalurband Colliery.

AND

Their Workmen

Petition by the Workman

The humble petitioner, who is one of the Workmen, directly involved in the above dispute begs to state most respectfully:

1. That the petitioner is working in the above-named Colliery since September, 1969 as a Chaprasi and with the same service conditions as applicable to other Chaprasis.

2. That the petitioner, has been in continuous employment in the colliery since that time without any break in the service.
3. That the dispute above-noted has therefore been mutually composed between the Petitioner and the employer and the petitioner has no further claim against the employer in this regard.
4. That the petitioner has no longer any dispute with the management, regarding the subject of reference.
5. That the Hon. Tribunal may be pleased to hold that the above dispute has ceased to exist and pass order accordingly.

And for this the petitioner shall ever pray.

Dated, the 6th January, 1970.

(Sd.) RADHA SINGH,
Chaprasai
Samla Dalurband Colliery.

Attested by
Sd./- AJIT KUMAR GHOSH,
6-1-70.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, AT
CALCUTTA.

IN REF. NO. 80 OF 1969

Employers in relation to Samla Dalurband Colliery,

AND

Their Workmen

Petition on behalf of the Employers

The humble petition on behalf of the Employer, begs most respectfully to state:

That the above dispute has been mutually composed between the workmen concerned, Sri Radha Singh and Jiten Singh and the employer concerned and as a result the dispute has ceased to exist.

It is therefore prayed that the Hon. Tribunal may be pleased to hold that the above dispute no longer exists and pass order accordingly.

Dated, the 6th January 1970.

for The Employer,
Sd./- I. C. SINGH,
Manager,
Samla Dalurband Colliery.
[No. 6/60/69-LRII.]

ORDERS

New Delhi, the 13th January 1970

S.O. 304.—Whereas the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Singareni Collieries Company Limited, Post Office Kothagudium Collieries (Andhra Pradesh) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed:

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri Mohanmad Najmuddin as Presiding Officer with headquarters at Afzal Lodge, Tilak Road, Ramkote, Hyderabad-1, and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the management of Singareni Collieries Company Limited, Belampalli is justified in denying the wages of new Category V to Shri K. Posham, Shift Electrician, Morgans Pit? If not, to what relief the workman is entitled?”

[No. 7/29/69-LRII.]

S.O. 305.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs. Parshva Properties Limited, Dalmainagar and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

I. Whether rendering the workmen of Pipradih and Murli Quarries of Parshva Properties Limited jobless from the 28th July, 1969 to 3rd August, 1969 amounts to illegal lay-off or lock-out?

II. Whether the workmen are entitled to compensation for the above period? If so, to what extent?

[No. 36(39)/69-LR-IV.]

S.O. 306.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of Sone Valley Port Land Cement Company Limited, Limestone Quarry, Baulia, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2) Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the dismissal of Sri Sitaram Dhangar, Beldar of Lime Stone Quarries (Baulia) of Sone Valley Portland Cement Company is proper and justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. 36/40/69-LR-IV.]

New Delhi, the 17th January 1970

S.O. 307.—Whereas the employers in relation to the management of Ramnagar Colliery, Post Office Ramnagar, District Shahdol (Madhya Pradesh) and their workmen represented by the Madhya Pradesh Koyala Mazdoor Panchayat (Affiliated to Hind Mazdoor Sabha) have jointly applied to the Central Government under sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), for reference of an industrial dispute that exists between them to an Industrial Tribunal in respect of the matters set forth in the said application and reproduced in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government is satisfied that the persons applying represent the majority of each party;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the workmen employed in Messrs. Vindhya Collieries (Private) Limited, Ramnagar Colliery are entitled to the following benefits:—

- (1) Variable Dearness Allowance at the rate of Rs. 1.47 per day from the 1st April, 1968.
- (2) Increments in the grades scales prescribed by the Wage Board from the 15th August, 1968.
- (3) Any additional payment from the 15th August, 1967 to October, 1967, when wages were increased."

[No. 1/4/69-LR-II.]

S.O. 308.—Whereas, the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Post Office Kothagudem Collieries (Andhra Pradesh) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri Mohammad Najmuddin, as Presiding Officer with headquarters at Afzal Lodge, Tilak Road, Ramkote, Hyderabad-1, and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the management of Singareni Collieries Company Limited, Belampalli, is justified in denying the gratuity to Shri Chintala Elliah, Mason, Shantikhan of Singareni Collieries Company Limited, Belampalli? If not, to what relief the workman is entitled?”

[No. 7/27/69-LR.II.]

S.O. 309.—Whereas, the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Jealgora Colliery of Messrs. East Indian Coal Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, (No. 3) Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Jealgora Colliery of Messrs. East Indian Coal Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad in not placing Sarvashri Pashupati Prasad and Jahar Roy, Stowing Clerks in Clerical Grade-II in the scale of Rs. 205—7—275—10—325 as per recommendations of the Central Wage Board for the Coal Mining Industry is justified? If not, to what relief are these two workmen entitled?”

[No. 2/196/69-LR.II.]

S.O. 310.—Whereas, the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bhowra Colliery of Messrs. Karamchand Thapar and Brothers Private Limited, Post Office Bhowra (Dhanbad) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, (No. 3) Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

“Whether the management of Bhowra Colliery of Messrs. Karamchand Thapar and Brothers Private Limited, Post Office Bhowra (Dhanbad) was justified in stopping Shri Nath Mahato, Pick Miner, from work with effect from 1st July, 1968? If not, to what relief is the workman entitled?”

[No. 2/210/68-LR.II.]

New Delhi, the 18th January 1970

S.O. 311.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Kustore Colliery of Messrs. Raneegunge Coal Association Limited, Post Office Kustore, District Dhanbad and their workman Shri Ram Lakhani Singh, Underground Munshi, in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, (No. 3) Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

“Whether the dismissal of Shri Ram Lakhani Singh, Underground Munshi by the management of Kustore Colliery belonging to Messrs. Raneegunge Coal Association Limited, Post Office Kustore, District Dhanbad, with effect from the 18th September, 1969 was justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

[No. 2/200/69-LR.II.]

S.O. 312.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Angarpathra Colliery of Messrs. East Angarpathra Colliery Company (Private) Limited, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 3), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

“Whether the management of Angarpathra Colliery of Messrs. East Angarpathra Colliery Company (Private) Limited, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad was justified in refusing wages to the undermentioned fifteen Coal Cutters for the 23rd August, 1969? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?”

S. No.	Name	Designation
1	Hublal Pasi	Coal cutter
2	Chedi Pasi	Do.
3	Lala Pasi	Do.
4	Ramadhar Pasi	Do.
5	Hirilal Pasi	Do.
6	Kaly Pasi	Do.
7	Sarjchar Bhuja	Do.
8	Chota Soraj Bhuja	Do.
9	Kishur Bhuja	Do.
10	Srimahato	Do.
11	Bhureshwar Mahato	Do.
12	Dhanu Das	Do.
13	Dalu Gope	Do.
14	Kamta Gope	Do.
15	Raipat Kewat,	Do.

[No. 2/203/69-LR.II.]

P. C. MISRA, Under Secy.

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 15th January 1970

S.O. 313.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the Cochin Chamber of Commerce and Industry, Cochin and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th January, 1970.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY

REF. No. CGIT-56 OF 1965

PARTIES:

Employers in relation to the Cochin Chamber of Commerce and Industry, Cochin.

AND

Their Workmen

PRESENT:

Shri A. T. Zambre, Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the employers.—Shri P. K. Kurlan, Advocate.*For the workmen.*—Shri P. Sankarankutty, Advocate.

STATE: Kerala.

INDUSTRY: Major Ports and Docks.

Bombay, 18th December 1969.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Employment by their Order No. 28/65/65-LRIV dated 4th September 1965 have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employers in relation to the Cochin Chamber of Commerce and Industry and their workmen in respect of the matters specified in the following schedule:—

SCHEDULE

"Whether the demands of Steamer Tally Clerks' for payment of higher rate of wages for the special shift starting from 3.00 A.M. to 8.00 A.M. during the period 10th November 1964 to 20th February 1965 is justified? If so what rate of wages should be payable to them during the said period?"

2. The loading and unloading operations in the Port and Docks of Cochin are done by workmen including tally clerks normally in two shifts stretching from 8 A.M. to 3 A.M. But during the emergency brought about by the food shortage in the country a large number of ships with foodgrains arrived which necessitated the introduction of a third shift between 3 A.M. and 8 A.M. during the period from 10th November 1964 to 17th February 1965. The steamer tally clerks required for this work, were recruited by the steamer agents on a daily basis and those working in this shift were paid in addition an allowance of 62 paise as night differential at the rate paid to the workers working in the night shift. When the tally clerks began to be employed in the ship S. S. Builder the Steamer Tally Clerks' Union raised a dispute with the steamer agents M/s. Mathewson Bosanquet & Co., The union had demanded overtime wages for five hours over and above a single wage at the rate fixed for the night shift. During conciliation it was agreed between the parties that the dispute should be raised with the employers' organisation i.e. the Cochin Chamber of Commerce. Hence on 17th February 1965 the union addressed a letter to the Chairman, Shipping Sub-Committee of the Cochin Chamber of Commerce requesting for consideration of the claims of the tally clerks for special overtime wages for the work done during the special shift but the Cochin Chamber of Commerce sent a reply to the union and denied the extra payment to the tally clerks and hence the union took up the dispute for conciliation which was ultimately referred to this Tribunal for adjudication.

3. The union has by its statement of claim contended that the tally clerks are employed round the clock. Work during this third shift is more exacting and difficult. In effect the work during this shift amounted to overtime work because as per subsisting agreement the parties had agreed to employment and work for only two shifts. It was further contended that the work during the shift 3 A.M. to 8 A.M. is more hazardous particularly because this was the period of the night when the workmen required sleep. Employees similarly situated who are under the control of the Port Trust and the Dock Labour Board were paid higher rates and hence they have claimed overtime rates of wages in addition to the normal wages paid during the night shift.

4. The employers have by their written statement denied the claim and have contended that the steamer tally clerks required for the work were recruited by the steamer agents on a daily basis and the tally clerks in the shift were working only for an effective period of $4\frac{1}{2}$ hours per day. Half an hour is the rest interval and for this work they were paid full wages of eight hours. They were also paid in addition 62 paise as night differential. Thus for working only $4\frac{1}{2}$ hours the tally clerks were paid for 8 hours work plus night differential and the tally clerks were not entitled to any higher rate of wages for the third shift.

5. In support of their contention the employers have examined witness Shri Valamparambil Cherian John who is the Shipping Assistant of Mathewson Bosanquet & Co. The union has not led any evidence and the question is whether the demand of the tally clerks is justified.

6. The learned Counsel Shri Sankarankutty for the workmen has contended that the work in the third shift which starts from 3 A.M. to 8 A.M. shall have to be treated as overtime work. There were no transport facilities for the workmen to go to the work spot at 3 A.M. The workers were also required to take booking at 10 P.M. and hence the workers had to lose the whole night and be at the spot from 10 P.M. to 8 A.M. and the workers should be given overtime wages.

7. It is clear from the evidence of Shri John that the day shift is of 8 hours which is from 8 A.M. to 5 P.M. with one hour recess between 12 and 1 and the night shift is from 6 P.M. to 3 A.M. with an hour's interval from 10 P.M. to 11 P.M. It is also clear that in each of these shifts the employees have to work for complete eight hours while in the third shift from 3 A.M. to 8 A.M. with an interval of half an hour the employees have to work only for $4\frac{1}{2}$ hours. It is not in dispute that for this work of $4\frac{1}{2}$ hours the tally clerks are paid the same wages as are paid to the employees doing work in the day and night shift. They are also in addition paid 62 paise as night allowance and the contention that the employees working in the third shift are underpaid and their claim for a higher rate is justified cannot at all be accepted. In my opinion the employees doing work in the night shift viz., from 6 P.M. to 3 A.M. have more taxing and hazardous work. The workmen in the third shift are getting the same wages as those working in the night shift and there is absolutely nothing to justify the payment for a higher rate of wages for this work of $4\frac{1}{2}$ hours.

8. It was argued that the tally clerks working in the night shift were working in the third shift and thus they were required to do overtime work and this circumstance should be considered in favour of the workmen. Shri John has stated in his cross-examination that some of the tally clerks working in the night shift continued to work in the third shift. However, it is clear from his cross-examination that these employees voluntarily continued to work for the third shift as they did not want to go home at that time and there is no question of any complaint. Moreover it is only in respect of some workers who continued to work in the third shift and there is absolutely no justification for claiming higher rates of wages for working in the third shift and the demand of the tally clerks for payment of higher rate of wages for the special shift from 3 A.M. to 8 A.M. is not justified and there is no question of higher rate of wages payable to them during the period in question.

Hence my award accordingly.

No. order as to costs.

(Sd.) A. T. ZAMBRE,
Presiding Officer,
Central Government Industrial Tribunal,
Bombay.

[No. 28/65/65-LR-IV/Fac.II.]

C. RAMDAS, Dy. Secy.

(Department of Labour and Employment)

ORDERS

New Delhi, the 15th January 1970

S.O. 314.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of Baroda and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Mohammad Najmuddin shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Having regard to the provisions contained in clause 14.3(c) of the Bipartite Settlement dated the 19th October, 1966 whether the demand of the Bank of Baroda Employees Union (A.P.), Hyderabad, for payment of overtime allowance of Shri Ch. Appalaswamy, watchman-cum-peon of the Vizagapatnam Branch of the Bank for the extra hours worked by him over and above the limits prescribed under clause 14.2(c) from 19th October, 1966 onwards is justified? If so, to what relief the workman is entitled?"

[No. 23/84/69/LR.II.]

New Delhi, the 16th January 1970

S.O. 315.—Whereas the industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is pending before Shri M. Tajammul Hussain, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Madras;

And whereas the services of Shri M. Tajammul Hussain have ceased to be available;

Now therefore in exercise of the powers conferred by Section 7A, and sub-section (1) of Section 33 (B) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Thiru S. Swamikkannu as Presiding Officer, with headquarters at Madras, withdraws the proceedings in relation to the said disputes from Shri M. Tajammul Hussain and transfers the same to the said Industrial Tribunal, Madras for the disposal of the said proceedings with the directions that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

S. No.	Dispute No.	Notification No. and Date	Parties to the Dispute
1.	I. D. No. 70/68	No 25(3)/68-LR. III, dated 29th July 1968.	Workmen and the Management of Messrs. New India Assurance Company Limited, Madras.

[No. 40(1)/70-LR.I.]

New Delhi, the 17th January 1970

S.O. 316.—Whereas the industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is pending before Thiru B. S. Somasundaram, Presiding Officer, Industrial Tribunal Madras;

And whereas the services of Thiru B. S. Somasundaram have ceased to be available.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and Sub-section (1) of Section 33(B) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Thiru S. Swamikkannu as Presiding Officer, with headquarters at Madras, withdraws the

proceedings in relation to the said dispute from Thiru B. S. Somasundaram and transfers the same to the said Industrial Tribunal, Madras for the disposal of the said proceedings with the directions that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to Law.

SCHEDULE			
S. No.	Dispute No.	Notification No. and date	Parties to the dispute
I.	I. D. No. 39/69	No. 25(16)/69-LR. III(LR. I) dated 18th August 1969.	R. Thiruvengkataswamy and Divisional Manager Vulcan Insurance Company Limited, Coimbatore. [No. 40(1)/70-LR.I.]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

(Department of Rehabilitation)

(Office of the Chief Settlement Commissioner)

New Delhi, the 15th January 1970

S.O. 317.—In exercise of the powers conferred by Clause (a) of Sub-Section (2) of Section 16 of the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints for the State of Uttar Pradesh, Shri B. N. Shukla, Asstt. Settlement Officer in the office of the Asstt. Settlement Commissioner I/C, U.P. as Assistant Custodian for the custody, management and disposal of compensation pool.

[No. 8/249/ARG/62.]

S.O. 318.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 4 of the Evacuee Interest (Separation) Act, 1951, the Central Government hereby appoints, till further orders, for the Union Territory of Delhi, Shri J. C. Gulati, Asstt. Settlement Commissioner, in the office of the Asstt. Settlement Commissioner Incharge, U.P., Lucknow, as Competent Officer for the purpose of discharging the duties assigned to the Competent Officer by or under the said Act, within the said Territory, with immediate effect.

[No. 6/6/62/Admn.II/69.]

A. G. VASWANI,

Settlement Commissioner (A) & *Ex-Officio* Under Secy.

